दैनिक

संस्करण : जयपुर, टोंक, अलवर, कोटा, जोधपुर, उदयपुर, भरतपुर, बीकानेर, सवाई माधोपुर एवं अजमेर

बढ़ता राजस्थान

RNI NO.RAJHIN /2013/52026

Since : 2004 /// कदम बढ़ाएं, सच के साथ

वर्ष : 13 | अंक : 158 | पृष्ठ : 08 | मूल्य : ₹ 2.00

टोंक। सोमवार, 12 जनवरी 2026 । माघ माह, कृष्ण पक्ष नवमी, संवत्-2082

भारत सरकार से विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

www.badhatarajasthan.in badhatarajasthan@yahoo.com badhatarajasthan.dainik badtarajasthan

सोमनाथ तोड़ने वाले इतिहास के पन्नों में सिमटे : पीएम मोदी

दुर्भाग्य से देश में आज भी मंदिर पुनर्निर्माण का विरोध करने वाली ताकतें मौजूद

बढ़ता राजस्थान

सोमनाथ/राजकोट। गुजरात के सोमनाथ मंदिर पर 1000 साल पहले हुए हमले को लेकर पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि उस वक्त आतताई सोच रहे थे कि वे जीत गए हैं, लेकिन आज भी सोमनाथ मंदिर में फहरा रही ध्वजा बता रही है कि हिंदुस्तान की शक्ति क्या है। दुर्भाग्य से आज भी हमारे देश में वे ताकतें मौजूद हैं, जिन्होंने सोमनाथ के पुनर्निर्माण का विरोध किया था।

पीएम ने नेहरू का नाम लिए बिना कहा कि जब सरदार पटेल ने सोमनाथ के पुनर्निर्माण की शपथ ली तो उन्हें भी रोकने की कोशिश की गई। दरअसल, 1951 में मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा में राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद के शामिल होने को लेकर जवाहरलाल नेहरू ने आपत्ति जताई थी। पीएम मोदी ने मंदिर से करीब 3 किमी दूर सद्भावना ग्राउंड में रैली को संबोधित करते हुए कहा कि हमें आज भी ऐसी ताकतों से सावधान रहना है, जो हमें बांटने की कोशिश में लगी हुई हैं। पीएम ने सुबह मंदिर में करीब 30 मिनट तक पूजा-अर्चना की। शिवलिंग पर जल चढ़ाया, फूल अर्पित किए और पंचामृत से अभिषेक किया। मोदी शनिवार शाम सोमनाथ पहुंचे थे। यहां सोमनाथ मंदिर पर साल 1026 में हुए पहले आक्रमण के हजार साल पूरे होने पर 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' मनाया गया।

मोदी ने कहा- हमें आज भी बांटने वालों से सावधान रहना है

हमें आज भी सावधान रहना है, एकजुट रहना है। ऐसी ताकतों से सावधान रहना है, जो हमें बांटनें की कोशिशों में लगी हुई हैं। आज हर देशवासी के मन में विकसित भारत को लेकर भरोसा है। भारत अपने गौरव को नई बुलंदी देगा। हम गरीबी के खिलाफ अपनी लड़ाई को जीतेंगें।

मोदी बोले- सोमनाथ की गाथा को शब्दों में बयां नहीं कर सकते

यहां 72 घंटों तक अनवरत ओमकार का नाद और मंत्रोच्चार किया गया। सोमनाथ की 1 हजार साल की गाथा का वर्णन और शौर्य यात्रा, सबकुछ मंत्रमुग्ध कर देने वाला है। इस अनुभुति को शब्द अभिव्यक्त नहीं कर सकते हैं। इसे केवल समय ही संकलित कर सकता है।

संबोधन की 4 बड़ी बातें...

सोमनाथ का वजूद नहीं मिटा पाए:

आज उस इतिहास के बारे में कल्पना कीजिए, 1 हजार साल पहले 1026 में गजनवी ने मंदिर को तोड़ा था। उसे लगा उसने सोमनाथ का वजूद मिटा दिया, लेकिन इसके बाद ही मंदिर का पुननिर्माण शुरू हो गया। इसके बाद खिलजी ने मंदिर तोड़ा, लेकिन जूनागढ़ के राजाओं ने फिर से मंदिर का पुननिर्माण करा दिया।

न मंदिर नष्ट हुआ न भारत:

ये भी संयोग है कि आज सोमनाथ आक्रमण के 1 हजार साल पूरे हो रहे हैं और अब इसके पुनर्निमाण के 75 साल भी पूरे हो रहे हैं। सोमनाथ को नष्ट करने के एक नहीं, अनेकों प्रयास हुए। विदेशी आंक्राताओं द्वारा कई सदियों तक भारत को खत्म करने की कोशिशें होती रहीं, लेकिन न ही सोमनाथ नष्ट हुआ, न ही भारत।

मजहबी कट्टरपंथी कुछ नहीं बिगाड़ पाए

जब आक्रांता सोमनाथ पर हमला कर रहे थे, उन्हें लग रहा था कि उनकी तलवार सनातन सोमनाथ को जीत रही है, लेकिन वे मजहबी कट्टरपंथी यह नहीं समझ पाए कि जिस सोमनाथ को वे नष्ट करना चाहते थे। उसके नाम में ही सोम अर्थात अमृत जुड़ा है। उसमें हलाहल को पीकर भी अमर रहने का विचार जुड़ा है।

आज भी विरोधी ताकतें मौजूद:

जिस देश के पास विरासत होती है तो वह देश उस पर गर्व करता है, लेकिन हमारे देश की आजादी के बाद गुलामी की मानसिकता वाले लोगों ने उसी विरासत को भुला दिया। जब सरदार पटेल ने सोमनाथ के पुनर्निर्माण की शपथ ली तो उन्हें भी रोकने की कोशिश की गई। तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद को भी मंदिर आने से रोकने की कोशिश की गई।

मोदी ने कहा- 1000 साल भी सोमनाथ में ध्वज फहरा रहा

आज जब मैं आपसे बात कर रहा हूं तो मन में बार-बार प्रश्न आ रहा है कि ठीक 1 हजार साल पहले इसी जगह जहां आप बैठे हैं, क्या माहौल रहा होगा। हमारे पुरखों ने जान की बजा लगा दी थी अपनी आस्था के लिए अपने विश्वास के लिए, अपने महादेव के लिए अपना सबकुछ न्यौछावर कर दिया।

पीएम ने कहा- ये वातावरण और उत्सव अद्भुत है

रैली को संबोधित करते हएु पीएम ने कहा- ये समय अदभुत है। ये वातावरण अद्भुत है। यह उत्सव अद्भुत है। एक और स्वयं देवादिदेव महादेव, दूसरी और समुद्र की लहरें, सूर्य की किरणें, मंत्रों की गूंज , आस्था का ऊफान, इस दिव्य वातावरण में आप सब भक्तों की उपस्थिति इस अवसर को दिव्य बना रही है। भव्य बना रही है और मैं इसे अपना बहुत बड़ा सौभाग्य मानता हूं कि सोमनाथ मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष के रूप में मुझे सोमनाथ स्वाभिमान पर्व में सेवा का अवसर मिला।

मोदी बोले- देश में वे ताकतें मौजूद, जिन्होंने मंदिर पुनर्निर्माण को विरोध किया

जिस देश के पास विरासत होती है तो वह देश उस पर गर्व करता है। लेकिन हमारे देश की आजादी के बाद गुलामी की मानसिकता वाले लोगों ने उसी विरासत को भुला दिया। जब सरदार पटेल ने सोमनाथ के पुनर्निर्माण की शपथ ली तो उन्हें भी रोकने की कोशिश की गई। तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद को भी मंदिर आने से रोकने की कोशिश की गई।

गजनवी को लगा सोमनाथ का वजूद मिटाया, मंदिर फिर खड़ा हुआ

पीएम ने कहा- आज उस इतिहास के बारें में कल्पना कीजिए, 1 हजार साल पहले 1026 में गजनवी ने मंदिर को तोड़ा था। उसे लगा उसने सोमनाथ का वजूद मिटा दिया। लेकिन इसके बाद ही मंदिर का पुनर्निर्माण शुरू हो गया। इसके बाद खिलजी ने मंदिर तोड़ा। लेकिन जूनागढ़ के राजाओं ने फिर से मंदिर का पुनर्निमाण करा दिया। ये भी संयोग है कि आज सोमनाथ आक्रमण के 1 हजार साल पूरे हो रहे हैं। और अब इसके पुनर्निमाण के 75 साल भी पूरे हो रहे हैं। सोमनाथ को नष्ट करने के एक नहीं, अनेकों प्रयास हुए। विदेशी आंक्राताओं द्वारा कई सदियों तक भारत को खत्म करने की कोशिशें होती रहीं। लेकिन न ही सोमनाथ नष्ट हुआ, न ही भारत नष्ट हुए।

ईरान में इंटरनेट ब्लैकआउट जारी, तेहरान की चेतावनी के बाद हाई अलर्ट पर इजरायल

बढ़ता राजस्थान

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान में आम लोगों का विरोध प्रदर्शन 14वें दिन में प्रवेश कर चुका है। एक-एक कर देश के हर कोने से सरकार के खिलाफ आवाज उठ रही है। इंटरनेट ब्लैकआउट के भी 60 घंटे हो चुके हैं। इस बीच अमेरिका की चेतावनी से तेहरान का सियासी हलका काफी नाराज है। संसद के अध्यक्ष ने यूएस राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की चेतावनी का जवाब धमकी से दिया है।

ईरान के संसद अध्यक्ष ने चेतावनी दी कि अगर अमेरिका इस्लामी गणराज्य पर हमला करता है तो अमेरिकी सेना और इजरायल निशाने पर होंगे। कालीबाफ ने यह धमकी तब दी जब ईरानी संसद में सांसद मंच की ओर दौड़े और अमेरिका विरोधी नारे लगाए। ईरानी राज्य टेलीविजन ने संसद सत्र को लाइव प्रसारित किया।

कालीबाफ एक कट्टरपंथी नेता हैं और पहले राष्ट्रपति पद का चुनाव लड़ चुके हैं। उन्होंने पुलिस और ईरान की पैरामिलिट्री रिवॉल्यूशनरी गार्ड को प्रदर्शनों के दौरान दृढ़ रहने के लिए सराहा। कालीबाफ ने कहा, 'ईरान के लोगों को पता होना चाहिए कि हम उनके साथ सबसे कठोर तरीके से निपटेंगे और गिरफ्तार लोगों को सजा देंगे।'

सर्दी : सीकर-भरतपुर में 5वीं क्लास तक के बच्चों की छुट्टियां बढ़ाई

राजस्थान में माइनस में पारा, कोहरे के कारण फ्लाइट कैंसिल

बढ़ता राजस्थान

जयपुर। राजस्थान के सीकर में कड़ाके की ठंड के कारण स्कूलों में 5वीं क्लास तक के बच्चों की छुट्टियां 17 जनवरी तक बढ़ा दी गई है। छठी से 12वीं क्लास तक के बच्चों का टाइम सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक कर दिया गया है। वहीं भरतपुर में 5वीं क्लास तक के बच्चों की 12 और 13 जनवरी की छुट्टी घोषित कर दी गई है। उधर, सीकर के फतेहपुर में सीजन में पहली बार तापमान माइनस 3.4 डिग्री रिकॉर्ड हुआ। न्यूनतम तापमान में गिरावट के कारण यहां जगह-जगह बर्फ जम गई। रेगिस्तानी जिले जैसलमेर के कई एरिया में सुबह बर्फ जमी नजर आई। ऐसा ही कुछ नजारा हिल स्टेशन माउंट आबू का रहा। उदयपुर में घने कोहरे के कारण 7 फ्लाइट्स कैंसिल कर दी गईं।

वहीं, उत्तर भारत से आ रही बर्फीली हवा ने राजस्थान में हाड़ कंपाने वाली सर्दी कर दी है। मौसम विभाग ने रविवार (11 जनवरी) को भी 14 जिलों में कोहरे और शीतलहर का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। शीतलहर आने वाले दिनों में भी ठिठुराएगी। वहीं, शनिवार को राजस्थान में सबसे ज्यादा सर्द दिन और रात श्रीगंगानगर में रहे। यहां अधिकतम तापमान 8.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। इस सीजन में ये पहली बार है, जब किसी शहर का अधिकतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज हुआ।

घना कोहरा, जगह-जगह बर्फ जमी-शेखावाटी के इलाकों में कड़ाके की सर्दी का दौर जारी है। शनिवार को सीकर के फतेहपुर में न्यूनतम तापमान माइनस 3 डिग्री से ज्यादा गिर गया।

इस एरिया में जगह-जगह बर्फ भी जम गई। कड़ाके की सर्दी के साथ सीकर, झुंझुनूं, नागौर सहित कई जिलों में रविवार सुबह भी घना कोहरा रहा। जैसलमेर के रामगढ़ और चांधन में भी रविवार सुबह बर्फ जमी नजर आई। इधर लेकसिटी उदयपुर में घने कोहरे के कारण रविवार को फ्लाइट कैंसिल होने का सिलसिला जारी रहा। दिल्ली, मुंबई, जयपुर जाने वाली फ्लाइट्स कैंसिल की गईं। वहीं, मौसम विशेषज्ञों ने राजस्थान में मकर संक्रांति तक कोल्ड-डे की स्थिति रहने का अनुमान जताया है और तापमान में 1 से 2 डिग्री सेल्सियस तक की और गिरावट होने की संभावना जताई है।

श्रीगंगानगर में दिनभर कोहरा रहा-श्रीगंगानगर में इससे पहले साल 2020 और 2019 के सीजन में अधिकतम तापमान 9 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ था। श्रीगंगानगर में सुबह से ही घना कोहरा रहा, जो देर शाम तक रहा।

पूर्व-मंत्री मालवीय ने बीजेपी छोड़ी

बोले-यहां मेरा दम घुट रहा

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष डोटासरा को लिखा पत्र, 23 महीने पहले भाजपा में शामिल हुए थे

बढ़ता राजस्थान

बांसवाड़ा। पूर्व मंत्री महेंद्रजीत सिंह मालवीय का दो साल में ही भाजपा से मोह भंग हो गया है। मालवीय ने बीजेपी छोड़ दी है। कांग्रेस में शामिल होने के लिए कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष को पत्र लिखा है। मालवीय ने रविवार को जयपुर में कांग्रेस के महासचिव सुखजिंदर सिंह रंधावा, पीसीसी अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली से मुलाकात की। मालवीय ने कहा कि बीजेपी की सत्ता होते हुए भी मैं जनता के काम नहीं करा पा रहा हूं। भाजपा सरकार में गरीबों की सुनने वाला कोई नहीं है। मनरेगा का भुगतान महीनों से अटका है, किसानों को खाद नहीं मिल रहा। मैंने कई बार मुख्यमंत्री और प्रदेशाध्यक्ष को चिट्ठी लिखी, लेकिन कोई समाधान नहीं हुआ।

आलाकमान क्या निर्णय करता है वो देखेंगे: डोटासरा

वहीं पीसीसी अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि मुझे महेन्द्रजीत सिंह मालवीय का पत्र मिला है। जिसमे उन्होंने कहा है कि कांग्रेस पार्टी छोड़ना मेरी भूल है। कांग्रेस ने हमेशा मुझे मान सम्मान दिया है, मैं कांग्रेस की रीति-नीति को मानने वाला व्यक्ति हूं। भारतीय जनता पार्टी में जाना मेरी बहुत बड़ी भूल थी, ऐतिहासिक भूल थी। भारतीय जनता पार्टी से मैंने इस्तीफा दे दिया है। बीजेपी में मेरा दम घुट रहा है, मैं एक सेकेंड भी वहां रहना नहीं चाहता हूं। डोटासरा ने कहा- डिसीप्लीनरी कमेटी है, हम सब लोग चर्चा करके अपनी रिपोर्ट प्रदेश प्रभारी के जरिए आलाकमान को देंगे और उस पर आलाकमान क्या निर्णय करता है, वो देखना होगा।

मालवीय बोले-कांग्रेस मेरे लिए नई पार्टी नहीं

जयपुर में महेन्द्रजीत सिंह मालवीय ने कहा कि कांग्रेस मेरे लिए नई पार्टी नहीं है। पिछले 40 साल मैंने कांग्रेस में निकाले हैं, सरपंच के रूप में, प्रधान के रूप में, एमपी के रूप में, पांच बार जिला प्रमुख के रूप में, चार बार विधायक के रूप में और दो बार सरकार के मंत्री के रूप में लंबे समय तक कांग्रेस में काम किया। लेकिन, कुछ समय पहले मेरा मन हुआ कि डबल इंजन की सरकार है, मेरे क्षेत्र में विकास रुकना नहीं चाहिए।

Amit Shah का Kerala में Mission 2026 का शंखनाद, बोले- LDF-UDF का खेल अब खत्म होगा

बढ़ता राजस्थान

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को केरल में स्थानीय निकायों के नवनिर्वाचित प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए राज्य में आगामी विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी का लक्ष्य साफ कर दिया। उन्होंने कहा कि केरल में बीजेपी का सफर आसान नहीं था, लेकिन समर्पित कार्यकर्ताओं के दम पर पार्टी ने आज एक मजबूत पहचान बनाई है। शाह ने स्पष्ट किया कि बीजेपी का अंतिम लक्ष्य केवल जीत नहीं, बल्कि केरल में अपनी सरकार बनाना और भाजपा का मुख्यमंत्री लाना है।

शाह ने केरल की मौजूदा राजनीति पर हमला बोलते हुए कहा कि राज्य इस वक्त एलडीएफ और यूडीएफ की मिलीभगत के कारण ठहराव के दौर से गुजर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि इन दोनों पार्टियों ने बारी-बारी से सत्ता में आकर भ्रष्टाचार करने का गुप्त समझौता कर लिया है। उनके अनुसार, केरल का भविष्य इन दोनों के साथ सुरक्षित नहीं है, क्योंकि वे राज्य की परंपराओं और विकास की रक्षा करने में विफल रहे हैं।

शाह ने सुरक्षित केरल का वादा-अमित शाह ने पार्टी की बढ़ती ताकत के आंकड़े पेश करते हुए बताया कि 2014 में बीजेपी का वोट शेयर 11त्न था, जो 2019 में 16त्न और 2024 में बढ़कर 20त्न के पार पहुंच गया है। उन्होंने कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि जिस तरह पार्टी ने दो सीटों से शुरू करके केंद्र में तीसरी बार सरकार बनाई और असम जैसे राज्यों में जीत हासिल की, वही इतिहास केरल में भी दोहराया जाएगा।

एलडीएफ और यूडीएफ पर निशाना -गृह मंत्री ने एलडीएफ और यूडीएफ पर निशाना साधते हुए कहा कि ये दल वोटबैंक की राजनीति के कारण क्कस्नढ्ढ और स्ष्ठक्कढ्ढ जैसे संगठनों के खिलाफ कार्रवाई करने से डरते हैं। उन्होंने कहा कि केवल बीजेपी ही केरल को ऐसी राष्ट्रविरोधी ताकतों से बचा सकती है। शाह ने तीन तलाक कानून का उदाहरण देते हुए कहा कि विपक्षी दलों ने तुष्टीकरण की नीति के तहत इसका विरोध किया, जबकि बीजेपी सभी के लिए न्याय, किसी का तुष्टीकरण नहीं के सिद्धांत पर चलती है।

सम्पादकीय

ईरान को ट्रंप की धमकी, पूरी तरह से बेलगाम हो गए अमेरिकी राष्ट्रपति

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान में सैन्य हस्तक्षेप करने के जो नए संकेत दिए, उससे यह स्पष्ट है कि वेनेजुएला पर हमले के बाद वे पूरी तरह से बेलगाम हो गए हैं। उनका मनमानापन इसलिए बढ़ता चला जा रहा है, क्योंकि वेनेजुएला में अमेरिकी सेनाओं के हमले का विश्व समुदाय की ओर से एक सुर में विरोध और प्रतिरोध नहीं हुआ। चार वर्ष पहले जब रूस ने यूक्रेन पर हमला किया था तो अमेरिका और उसके सहयोगी राष्ट्रों ने उस पर अंतरराष्ट्रीय नियम-कानूनों की अनदेखी करने के आरोप लगाए थे। पिछले चार वर्षों में ये आरोप लगातार दोहराए गए हैं, लेकिन अब ट्रंप रूसी राष्ट्रपति पुतिन की ही तरह मनमानी कर रहे हैं। स्पष्ट है कि उनका रवैया विश्व को और अधिक अस्थिर एवं अशांत करने वाला ही है। यह सही है कि ईरान की कट्टरपंथी इस्लामी सत्ता के खिलाफ वहां के लोग सडक़ों पर हैं और उनके प्रति सख्ती दिखाई जा रही है, लेकिन यह स्थिति अमेरिका अथवा किसी अन्य देश को वहां पर सैन्य हस्तक्षेप करने की अनुमति नहीं देती। यदि ईरान में किसी तरह के हस्तक्षेप की आवश्यकता है तो उसकी पूर्ति संयुक्त राष्ट्र की सहमति से और उसके नेतृत्व में ही होनी चाहिए। इसी के साथ यह भी आवश्यक है कि ईरानी शासक और विशेष रूप से वहां की सत्ता का संचालन कर रहे सर्वोच्च नेता अयातुल्ला खामेनेई यह समझें कि अपने लोगों का दमन करके स्थितियों को नहीं सुधारा जा सकता। ईरान के लोग जिन कारणों से सडक़ों पर हैं, उनकी अनदेखी नहीं की जा सकती। वे बढ़ती महंगाई से बुरी तरह त्रस्त हैं। ईरान की आर्थिक स्थिति इसलिए गड़बड़ाई हुई है, क्योंकि अमेरिका ने इस आधार पर उस पर कठोर प्रतिबंध लगा रखे हैं कि वह परमाणु हथियार बनाने की चेष्टा कर रहा है। ईरान की ऐसी किसी चेष्टा से इजरायल भी सशंकित है और कुछ महीनों पहले इसी कारण उसने वहां पर हमला भी किया था। इस हमले में अमेरिका ने भी इजरायल का साथ दिया था। एक बार फिर अमेरिका और इजरायल ईरान की घेराबंदी करें तो हैरानी नहीं, लेकिन इससे पश्चिम एशिया की स्थितियां और अधिक बिगड़ेंगी। ईरान अमेरिकी प्रतिबंधों के चलते पहले ही आर्थिक रूप से पस्त है। विडंबना यह है कि इसके बावजूद वह हिजबुल्ला, हमास जैसे संगठनों के साथ-साथ यमन में काबिज हाउती विद्रोहियों को आर्थिक एवं सैन्य सहायता देने में लगा हुआ है। स्वाभाविक रूप से ईरान की जनता इसके भी खिलाफ है। यदि ईरानी सत्ता अमेरिकी हस्तक्षेप से बचना चाहती है तो उसे अपने रवैये में परिवर्तन

करना होगा। पता नहीं ऐसा होगा या नहीं, लेकिन भारत को ईरान के बिगड़ते हालात के प्रति सतर्क रहना होगा, क्योंकि वहां उसके व्यापक हित निहित हैं।

आज का इतिहास
बढ़ता राजस्थान

12 जनवरी की महत्त्वपूर्ण घटनाएं

- 2020 - भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को प्रतिष्ठित 'पॉली उमरीगर अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया।
- रक्षा सचिव अजय कुमार ने कोलकाता में दो भारतीय तटरक्षक जहाजों अर्थात् एनी बेसेंट और अमृत कौर को नियुक्त किया।
- 2018 - इसरो ने लॉन्च किया 100वाँ उपग्रह, एक साथ भेजे 31 सैटेलाइट्स।
- 2015 - कैमरून में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड में आतंकवादी संगठन बोको हराम के 143 आतंकवादी मारे गये।
- 2010- भारत सरकार द्वारा नागर विमानन क्षेत्र पर आतंकी हमलो की आशंका के बीच विमान अपहरण रोधी क़ानून 1982 में मौत की सज़ा की धारा जोड़ी गई।
- कैरेबियाई देश हैती में आए भयंकर भूकंप में लाखों लोगों की मौत और राजधानी पोर्ट ओ प्रिंस का अधिकतर हिस्सा तबाह हो गया।
- 2009- प्रसिद्ध संगीतकार ए. आर. रहमान प्रतिष्ठित गोल्डन ग्लोब अवार्ड जीतने वाले पहले भारतीय बने। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक डॉ. जयन्त कुमार ने दुनिया का सबसे पुराना उल्का पिंड क्रेटर खोजा।
- 2008-
- कोलकाता में आग से 2500 दुकानें जल कर खाक हुई।
- दुनिया के सबसे बड़े फ़िल्म शो टोरंटो अंतर्राष्ट्रीय फ़िल्म महोत्सव की बुनियाद रखने वाले 'मुर्रे दस्ती कोहल' का निधन।
- 2007 - हिन्दी फ़िल्म 'रंग दे बसन्ती' बाफ़्टा के लिए नामांकित।
- 2006 - भारत और चीन ने हाइड्रोकार्बन पर एक महत्त्वपूर्ण सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए।
- 2004 - दुनिया के सबसे बड़े समुद्री जहाज, आरएमएस क्वीन मैरी 2 ने अपनी पहली यात्रा की शुरूआत की।
- 2003 - भारतीय मूल की महिला लिंडा बाबूलाल त्रिनिदाद की संसद अध्यक्ष बनीं।
- 2002 - पाकिस्तान के राष्ट्रपति जनरल परवेज मुशर्रफ़ ने राष्ट्र के नाम ऐतिहासिक संदेश प्रसारित किया, पाकिस्तान ने आतंकवादी संगठन लश्कर व जैश पर प्रतिबंध लागू करने की घोषणा की जबकि वांछित पाक अपराधियों को भारत को सौंपने से इन्कार किया।

विशेष आलेख

स्वामी विवेकानंद: युवाशक्ति के जागरण का अमर स्वर

सुनील कुमार महला

हर वर्ष 12 जनवरी को भारत में राष्ट्रीय युवा दिवस (नेशनल यूथ डे) महान् आध्यात्मिक गुरू, युवा वक्ता,मार्गदर्शक, विचारक और राष्ट्रनिर्माता स्वामी विवेकानंद की जयंती के रूप में मनाया जाता है।आपका जन्म 12 जनवरी 1863 को कोलकाता (तत्कालीन कलकत्ता) में हुआ था। आपके बचपन का नाम नरेंद्रनाथ दत्त था तथा आपके पिता का नाम विश्वनाथ दत्त था,जो एक प्रसिद्ध वकील थे तथा माता का नाम भुवनेश्वरी देवी था,जो अत्यंत धार्मिक, विदुषी और संस्कारवान महिला थीं। आपकी माता ने आपका नाम 'वीरेश्वर' रखा था और आपको प्यार से वह 'बिली' कहकर पुकारती थीं।आपका जीवन संघर्षों से भरा था तथा अपने अपने 39 वर्ष के अल्प जीवन में लगभग 31 बीमारियों का सामना किया। जानकारी मिलती है कि आप चाय पीने के शौकीन थे।एक बार आपने स्वतंत्रता सेनानी बाल गंगाधर तिलक से विशेष रूप से 'मुगलई चाय' बनवाई थी। इतना ही नहीं, आपको खिचड़ी और तले हुए आलू (मसालेदार) भी बहुत पसंद थे। विवेकानंद बहुत ही मेधावी छात्र थे,जिनकी प्रारंभिक शिक्षा मेट्रोपोलिटन स्कूल से हुई थी।बाद में अपने प्रेसीडेंसी कॉलेज तथा जनरल असेंबलीज़ इंस्टीट्यूशन (वर्तमान स्कॉटिश चर्च कॉलेज) में अध्ययन किया। आपने दर्शनशास्त्र, तर्कशास्त्र, इतिहास, साहित्य, वेद, उपनिषद, तथा पाश्चात्य दर्शन का गहन अध्ययन किया। पाठकों को बताता चलूं कि अंग्रेज़ी के साथ-साथ संस्कृत और बंगला पर विवेकानंद जी की असाधारण पकड़ थी।आपका यह मानना था कि 'शिक्षा वह है जो मनुष्य का निर्माण करे और उसके चरित्र को मजबूत बनाए।' आपने एकबार कहा था -'उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए।' आपका यह कहना था कि- शिक्षा मनुष्य के भीतर पहले से ही मौजूद पूर्णता की अभिव्यक्ति है। आत्मविश्वास के बारे में आपका यह कहना था कि 'यदि आप खुद पर विश्वास नहीं करते, तो आप भगवान पर भी विश्वास नहीं कर सकते। आपका यह मानना था कि शक्ति ही जीवन है और कमजोरी मृत्यु है। बहुत कम लोग जानते हैं कि आप नास्तिकता की सीमा तक प्रश्न करते थे। वे प्रत्येक साधु से एक ही प्रश्न पूछते थे कि-क्या आपने ईश्वर को देखा है? इसी खोज ने उन्हें रामकृष्ण परमहंस तक पहुँचाया। उपलब्ध जानकारी के अनुसार सत्य की खोज में आपकी मुलाकात स्वामी रामकृष्ण परमहंस से हुई। परमहंस जी के प्रभाव में आकर ही आपने आध्यात्मिक मार्ग अपनाया था और बाद में आप स्वामी विवेकानंद के नाम से जाने गए।पाठकों को बताता चलूं कि विश्व में भारतीय दर्शन विशेषकर वेदांत और योग को प्रसारित करने में विवेकानंद की महत्त्वपूर्ण भूमिका है, साथ ही ब्रिटिश भारत के दौरान राष्ट्रवाद को अध्यात्म से जोडऩे में इनकी भूमिका महत्त्वपूर्ण मानी जाती है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि संन्यास लेने के बाद आपका नाम स्वामी विविदिशानंद था, लेकिन शिकागो जाने से ठीक पहले, खेतड़ी के महाराजा अजीत सिंह के सुझाव पर आपने अपना नाम बदलकर 'विवेकानंद' कर लिया था। कहते हैं कि एक बार अमेरिका में एक महिला आपके प्रवचनों से इतनी प्रभावित हुई कि उसने आपसे विवाह का प्रस्ताव रख दिया था। दरअसल उसने कहा था, 'मैं आपके जैसा ही तेजस्वी पुत्र चाहती हूँ, इसलिए आप मुझसे विवाह कर लें।'उस समय आपने मुस्कुराते हुए उत्तर दिया था कि, 'देवी, मैं तो संन्यासी हूँ, विवाह नहीं कर सकता। लेकिन आपकी इच्छा पूरी हो सकती है। आज से आप मुझे ही अपना पुत्र मान लीजिए। इस तरह आपको मेरे जैसा पुत्र भी मिल जाएगा और मेरा संन्यास भी बना रहेगा।' कहते हैं कि विवेकानंद जी का यह जवाब सुनकर महिला उनके चरणों में गिर गई थी। पाठकों को बताता चलूं कि प्रारंभ में आप रामकृष्ण परमहंस के विचारों से सहमत नहीं थे और तर्क और विवेक के आधार पर आप हर बात को परखते थे, लेकिन धीरे-धीरे रामकृष्ण परमहंस के अनुभवजन्य ज्ञान ने आपको भीतर से बदल दिया।अपने गुरु के देहांत के बाद, 1897 में आपने रामकृष्ण मिशन की स्थापना की, जिसका उद्देश्य 'परहित' और समाज सेवा के माध्यम से ईश्वर की प्राप्ति है। आप असाधारण स्मरण शक्ति के धनी थे तथा किसी पुस्तक को एक बार पढक़र आप उसका सार याद रख लेते थे तथा कई बार तो आप पूरे पृष्ठ शब्दशः दोहरा देते थे। इतना ही नहीं,आप संगीत प्रेमी संन्यासी और युवा वक्ता थे। गौरतलब है कि 1893 के शिकागो विश्व धर्म सम्मेलन में आप सबसे कम उम्र के प्रतिनिधि थे। आपके पहले शब्द-'सिस्टर्स एंड ब्रदर्स ऑफ अमेरिका' ने पूरे सभागार को भावविभोर कर दिया था।उस समय वहां 7000 लोग मौजूद थे।शिकागो में आपने हिंदू धर्म को सहिष्णुता और सार्वभौमिक स्वीकृति के धर्म के रूप में दुनिया के सामने रखा। आपने वर्ष 1894 में पहली 'वेदांत सोसाइटी' की स्थापना की तथा अपने पूरे यूरोप का व्यापक भ्रमण किया तथा मैक्स मूलर और पॉल डूसन जैसे प्रच्यवादियों से संवाद किया।आपने भारत में अपने सुधारवादी अभियान के आरंभ से पहले निकोला टेस्ला जैसे प्रख्यात वैज्ञानिकों के साथ तर्क-वितर्क भी किये।

स्वामी विवेकानंद जयंती पर विशेष

स्वामी विवेकानंद राजगढ़ के टहला में प्रवास आज भी कर रहा है युवाओं को प्रेरित

28 मार्च 1891 कों अलवर प्रवास के बाद स्वामी जी ने अलवर के भक्तों से विदा लेकर अलवर से अठारह मील दूरस्थ पाण्डुपोल की ओर प्रस्थान किया।

राजस्थान के अलवर जिले का ऐतिहासिक ग्राम टहला केवल प्राकृतिक सौंदर्य और ग्रामीण संस्कृति के लिए ही नहीं, बल्कि स्वामी विवेकानंद जी के प्रवास के कारण भी विशेष महत्व रखता है।अपने अखिल भारतीय भ्रमण के दौरान स्वामी विवेकानंद फरवरी 1891 कों अलवर पहुँचे। 28 मार्च 1891 कों अलवर प्रवास के बाद स्वामी जी ने अलवर के भक्तों से विदा लेकर अलवर से अठारह मील दूरस्थ पाण्डुपोल की ओर प्रस्थान किया। उनकी इच्छा पैदल चलने की थी, किन्तु सूर्य का प्रखर ताप और अकेलेपन से बचने के लिए जब मित्रों ने अनुरोध किया कि रथ नामक एक तरह की हुई बैलगाड़ी पर चढक़र जाना उचित है, तब उन लोगों की बातों को टाल नहीं सके। केवल यही नहीं, अलवर के समस्त अनुरागी भक्तों ने उनके साथ कम से कम पचास-साठ मील तक चलने की अनुमति माँगी। उन लोगों को छोड़ देने की स्वामीजी की इच्छा थी, परन्तु सबका आग्रह देखकर तथा नही कहने से उन लोगों को क्षोभ होगा, यह जानकर वे सहमत हुए। पाण्डुपोल पहुँचकर स्वामी जी के साथ सभी लोगों ने स्थानीय हनुमान मन्दिर के प्राङ्गण में रात्रि व्यतीत की। दूसरे दिन उन लोगों ने पैदल सोलह मील दूर स्थित टहला गाँव को प्रस्थान किया। उस पर्वतीय पथ के वन से आच्छादित एवं जंगली पशुओं से भरपूर होने पर भी स्वामीजी की कभी गम्भीर और कभी रसिकतापूर्ण मधुर बातों और सुमधुर संगीत से मुग्ध हो सबने आनन्दपूर्वक रास्ता तय किया। टहला में नीलकण्ठ महादेव के प्राचीन मन्दिर की बगल में उन लोगों ने रात्रभर वास किया। विश्राम काल में स्वामीजी ने उन लोगों को समुद्र मन्थन, देवासुर संग्राम, विष की उत्पत्ति, विषपान कर महादेव का मृत्युंजय नाम धारण करना आदि विषयों की एक नवीन व्याख्या की समुद्र का तात्पर्य है माया रूपी समुद्र - यह रूप-रस-गन्धादिमय माया रचित यह विचित्र संसार। यहाँ इन्द्रियों के भोगने योग्य अनेक वस्तुएँ हैं। इन सबका जितना भोग किया जाय, उस भोग के फलस्वरूप उससे उतना ही विष उत्पन्न होता है। वह विष आत्मज्ञान की प्राप्ति में बाधक हैं। अतएव, सर्वत्यागी संन्यासी के निकट वह विष व्यर्थ एवं निस्तेज होता है, ब्रह्मानन्द में निमग्न संन्यासी माया के इन्द्रजाल में नहीं फँसते, बल्कि देवाधिदेव महादेव की भाँति इन्द्रियभोग परायण जीवों को मृत्यु आदि की भयावह परिस्थितियों में उनकी इस प्रकार सहायता करते हैं कि वे अपनी मुक्ति के लिए अपने प्राणों का त्याग करते हैं। वे(संन्यासीगण) माया का नाश कर मृत्यु के ग्रास से संसार की रक्षा करते हैं, और सबको दिखा देते हैं कि मायाजयी पुरुष मृत्यु को भी जीत लेते हैं। यह कहकर स्वामीजी मृत्युंजय महादेव के सम्मुख ध्यानमग्न हो गए। दूसरे दिन प्रातःकाल फिर यात्रा शुरू हुई और अठारह मील दूरवर्ती नारायणी देवीस्थान में समाप्त हुई। नारायणी में हर वर्ष एक खास दिन को विशाल मेला लगता है और राजस्थान के विभिन्न स्थानों से अनगिनत नर-नारी एकत्र होते हैं।

लघुकथा
बढ़ता राजस्थान

महावीर और गाड़ीवान

एक गाड़ीवान अपनी भरी गाड़ी लिए जा रहा था। गली में कीचड़ था। गाड़ी के पहिए एक खंदक में धँस गए। बैल पूरी ताकत लगाकर भी पहियों को निकाल न सके। बैलों को जुए से खोल देने की जगह गाड़ीवान ऊँचे स्वर में चिल्ला-चिल्लाकर इस बुरे वक्त में देवताओं की मदद माँगने लगा कि वे उसकी गाड़ी में हाथ लगाएँ। उसी समय सबसे बली देवता महावीर गाड़ीवान के सामने आकर खड़े हो गए, क्योंकि उसने उनका नाम लेकर कई दफा उन्हें पुकारा था। उन्होंने कहा, अरे आलसी आदमी! पैंजनी

(बैलगाड़ी के पहिए के आगे की वह टेढ़ी लकड़ी जिसके छेद में धुरा निकला रहता है।) से अपना कंधा लगा, और बैलों को बढऩे के लिए ललकार। अगर इस तरह गाड़ी नहीं निकली, तब तेरा काम देवताओं को पुकारना होता है। क्या तुम्हारे विचार में यह आता है कि जब तुम खड़े हो, उन्हें तुम्हारे लिए काम करना पड़ता है? यह अनुचित है। शिक्षा - जो अपनी मदद करता है, ईश्वर उसी की मदद करते हैं।

हैल्थ टिप्स
बढ़ता राजस्थान

सर्दियों में डैंड्रफ से हैं परेशान तो नारियल तेल में मिलाकर लगाएं ये 2 चीजें

सर्दियों के मौसम में सिर्फ सेहत से जुड़ी ही नहीं, बल्कि बालों से जुड़ी भी कई तरह की समस्याएं भी होने लगती हैं। सर्दियों में अधिकतर लोग डैंड्रफ यानी रूसी की समस्या से परेशान रहते हैं। दरअसल, सर्दियों में हमारा शरीर सीबम का प्रोडक्शन अधिक मात्रा में करता है। इस सीबम पर मैलेसेजिया नामक एक फंगस ग्रो करने लगती है। यही मैलेसेजिया फंगस डैंड्रफ पैदा करता है। ऐसे में, डैंड्रफ से छुटकारा पाने के लिए लोग तरह-तरह के शैंपू, ऑयल और हेयर केयर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन इनमें हानिकारक केमिकल्स मौजूद होते हैं, जो बालों को नुकसान पहुंचा सकते हैं। ऐसे में, आप चाहें तो डैंड्रफ से छुटकारा पाने के लिए कुछ घरेलू उपायों को आजमा सकते हैं। आप डैंड्रफ की समस्या से छुटकारा पाने के लिए नारियल के तेल में नींबू का रस मिलाकर लगा सकते हैं। दरअसल, नींबू का रस प्राकृतिक एसिडिक होता है। इसमें एंटी-फंगल गुण मौजूद होते हैं, जो डैंड्रफ को कम करने में मदद कर सकते हैं। वहीं, नारियल का तेल स्कैल्प को पोषण और नमी प्रदान करता है। इसके लिए आप नारियल के तेल में एक चम्मच नींबू का रस मिलाएं। अब इस मिश्रण को अपने स्कैल्प पर लगाएं और हल्के हाथों से मसाज करें। करीब 30 मिनट बाद बालों को किसी माइल्ड शैंपू से धो लें। हफ्ते में दो से तीन बार इसका इस्तेमाल करने से रूसी से छुटकारा मिल जाएगा।

आज का राशिफल

हमारे अनुभवी ज्योतिषियों की टीम के अनुसार आप कई विविध लक्ष्यों को पूरा करेंगे। क्या आप यह जानना चाहते है कि आपके जीवन के ऐसे कौनसे क्षेत्र है, जहां आपके सितारे बुलंद रहेंगे और दूसरी तरफ, अपको किस बातों से सावधान रहना चाहिए। हम न सिर्फ हमारे काम में और जटिल मुद्दों को सुलझाते वक्त सकारात्मक ऊर्जा को महसूस करेंगे, बल्कि पारम्परिक संबंधों में भी, जहां यह स्थानान्तरण हमें संताए और बातचीत में लाभ प्रदान करेगा

मेष
आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहने वाला है। आपकी निर्णय लेने की क्षमता बेहतर रहेगी। सांसारिक सुख भोग के साधनों में वृद्धि होगी। आप उन्नति की राह पर आगे बढ़ेंगे।

वृष
आज आपकी कोई मन की इच्छा पूरी हो सकती है, जिससे आपकी खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। परिवार में किसी सदस्य की ओर से सरप्राइज पार्टी का आयोजन होगा।

मिथुन
आज का दिन किसी नए काम की शुरुआत करने के लिए अच्छा रहने वाला है। आपके मन में किसी काम को लेकर उथल-पुथल रहेगी। वैवाहिक जीवन में आपसी सम्मान बना रहेगा।

कर्क
आज का दिन आपके लिए बाकी दिनों की तुलना में बढिय़ा रहने वाला है। किसी प्रॉपर्टी की खरीदारी करना आपके लिए अच्छा रहेगा। कला कौशल में सुधार आएगा।

सिंह
आज का दिन आपके लिए सुख साधनों में वृद्धि लेकर आने वाले वाला है। राजनीतिक क्षेत्रो में कार्यरत लोगों के लिए दिन अच्छा रहने वाला है।

कन्या
आज का दिन आपके लिए आनंदमय रहने वाला है। परिवार के सदस्यों का आपको पूरा लाभ मिलेगा। संतान की सेहत को लेकर आपको थोड़ी टेंशन हो सकती है। पढ़ाई-लिखाई को लेकर आपको थोड़ा ध्यान देना होगा।

तुला
आज का दिन आपके लिए व्यवसाय के मामले में उलझनों से भरा रहने वाला है। आप परिवार के सदस्यों के साथ आनंदमय समय व्यतीत करेंगे। छोटे बच्चों को आप कहीं घूमाने-फिराने लेकर जा सकते हैं।

वृश्चिक
आज का दिन आपके लिए इन्कम के मामले में बढिय़ा रहने वाला है। आप यदि किसी काम में हाथ डालेंगे, तो उसमें आपको सफलता अवश्य मिलेगी और आप अपने बिजनेस को लेकर किसी के साथ पार्टनरशिप ना करें।

धनु
आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। घर-परिवार में सदस्यों का आपको पूरा सहयोग मिलेगा। माता-पिता के आशीर्वाद से आपका कोई रुका हुआ काम पूरा होगा।

मकर
आज का दिन आपके लिए पेंडिंग पड़े कामों को पूरा करने के लिए रहेगा। आपके किसी नई नौकरी के प्रयास बेहतर रहेंगे और माताजी को आपकी कोई बात बुरी लग सकती है, लेकिन आपको अपने आसपास रह रहे।

कुंभ
आज का दिन आपके लिए जिम्मेदारी से काम करने के लिए रहेगा। आपकी सुख-समृद्धि बढने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा।

मीन
आज का दिन आपके लिए सुखमय रहने वाला है। आप धार्मिक कामों में बढ़-चढक़र हिस्सा लेंगे और जीवनसाथी के साथ आप किसी रोमांटिक डेट पर जाने की योजना बना सकते हैं।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक श्रीमती कमलेश विजयवर्गीय द्वारा बढ़ता राजस्थान प्रिंटिंग प्रेस, हमीदपुरा रोड, खंडवा, निवाई, टोंक (राज.) से मुद्रित एवं बढ़ता राजकीय महाविद्यालय के पास एनएच-12 बाईपास निवाई, टोंक (राजस्थान) से प्रकाशित, संपादक तनुजा पठान*। प्रधान संपादक राम बिलास विजयवर्गीय (मो. 9414242258, 9214048888, जयपुरः फोन 0141-2796794, 95, टोंक कार्यालयः बाईपास, निवाई, टोंक (मो. 9414823448), अलवर कार्यालयः मेहताब सिंह का नोहरा, अलवर (मो. 7877309346), कोटा कार्यालयः छावनी मेन रोड, कोटा (मो. 7023350734), ई-मेलः badhatarajasthan@yahoo.com; "पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार

देवली अम्बेडकर विचार मंच के अध्यक्ष बने पांचू लाल

बढ़ता राजस्थान

देवली (गोविंद सिंह सेठी)। यहां अम्बेडकर विचार मंच समिति के चुनाव.सर्वसम्मति से संपन्न हुए अंबेडकर विचार मंच के अध्यक्ष पद पर हुए चुनाव में पांचू लाल मीणा को सर्व समिति से अध्यक्ष नियुक्त किया गया। इस मौके निववर्तमान अध्यक्ष राजबहादुर वर्मा ने शहर के डाक बंगले में चल रही बैठक में माला पहनाकर पंचू लाल मीणा को मंच की जिम्मेदारी सोपी और कार्यभार सभलाया है। इस मौके पर अध्यक्ष पंचू लाल ने अंबेडकर मंच. के अन्य पदों की नवनियुक्त जल्द. ही करने की घोषणा. की है। इस दौरान नवनियुक्त अध्यक्ष पांचू लाल मीणा को अम्बेडकर विचार मंच सदस्यों ने बधाई भी प्रेषित की। इस बैठक में चुनाव अधिकारी बन्ना लाल, राजबहादुर, शिवजी राम प्रतिहार, सुरेंद्र बैरवा,साबू लाल बड़ौली, रजनीश सुवालका, शंकर हाड़ा, रविशंकर, दिलखुश टाटावत, सुरेश,बाबू लाल,यादराम,प्रेम लाल, राजू,ललित चौहान, प्रकाश चंद सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे है ।

नो कमेंटः शिक्षा विभाग की बड़ी चूक, मौत के 2 माह बाद कर दिया व्याख्याता का तबादला; नाम देख रो पड़े परिजन

बढ़ता राजस्थान

सवाई माधोपुर/करौली(राकेश शर्मा)। राजस्थान शिक्षा विभाग की बड़ी चूक सामने आई है। माध्यमिक शिक्षा निदेशालय की ओर से गत दिवस बड़ी संख्या किए स्कूल व्याख्याताओं के तबादलों में 2 माह पहले मृत एक व्याख्याता का भी स्थानांतरण कर दिया गया। मृत व्याख्याता का करौली जिले के हिण्डौन से धौलपुर जिले में तबादला किया गया है। शिक्षा विभाग की सूची में व्याख्याता रहे संतराज माली का नाम देखकर एक बार फिर परिजनों की आंखें नम हो गई।

तबादला सूची में त्रुटि चर्चा का विषय : शिक्षा विभाग के सूत्रों के अनुसार माध्यमिक शिक्षा निदेशालय से 9 जनवरी को इतिहास विषय के व्याख्याताओं की 'जंबो' तबादला सूची जारी की थी। संस्थान प्रधानों ने अपने विद्यालयों में तबादला हो जाने व आने वालों की जानकारी के लिए सूची खंगाली तो दो माह पहले मृत हुए व्याख्याता संतराज माली का नाम देखकर चकित रह गए। सूची में संतराज माली का हिण्डौन पीएमश्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय से धौलपुर जिले के गांव सिलावत के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में तबादला किया है। तबादला सूची में त्रुटि को लेकर शिक्षकों में दिनभर चर्चा रही। गौरतलब है कि व्याख्याता संतराज माली का नवम्बर माह में निधन हो गया था।

बीच सत्र में फिर हुए शिक्षा विभाग के बड़े तबादले : हाल ही में अदालत ने शिक्षा विभाग में बीच सत्र में किए गए स्थानांतरणों पर तल्ख टिप्पणी की थी। लेकिन सरकार ने इस पर गंभीरता से ध्यान नहीं दिया और शुक्रवार को व्याख्याताओं की तबादला सूची जारी कर दी। गुरुवार रात उप प्राचार्य और उप जिला शिक्षा अधिकारियों (शारीरिक शिक्षा) के स्थानांतरण किए गए थे।

अवैध मादक पदार्थ रखने का एक आरोपी गिरफ्तार

बढ़ता राजस्थान

निवाई (का.स.)। स्थानीय पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ के विरूद्ध कार्यवाही करते हुए एक जने को गिरफ्तार किया है। आरोपी से 546 ग्राम अवैध मादक गांजा जब्त किया है। थानाधिकारी घासीराम मीणा ने बताया कि अवैध मादक पदार्थ के विरूद्ध कार्यवाही को लेकर गश्त के दौरान वनस्थली रोड पर स्थित राधास्वामी सतसंग आश्रम के पास से आरोपी दयाराम पुत्र प्रहलाद सांसी निवासी कैथूनिया उर्फ अहमदपुरा सासीयों की ढाणी को डिटेन कर तलाशी ली गई तो उसके पास 546 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा मिला। जिस पर आरोपी को गिरफ्तार करके 546 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा को जब्त किया है। उन्होंने बताया कि आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज किया है।

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व को लेकर भाजपा के कार्यकर्ताओं ने किया भजन संकीर्तन

बढ़ता राजस्थान

निवाई (का.स.)। 12 ज्योतिर्लिंगों में से प्रथम ज्योतिर्लिंग भगवान सोमेश्वर के प्रति अटूट आस्था एवं अविस्मरणीय बलिदान के 1

हजार वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन से आयोजित सोमनाथ स्वाभिमान पर्व को लेकर भाजपा के कार्यकर्ताओं ने कई धर्मिक अनुष्ठान का आयोजन किया। भाजपा शहर अध्यक्ष नितिन छाबडा ने बताया कि सोमनाथ स्वाभिमान पर्व को लेकर पेट्रोल पम्प वाले बालाजी के भोलेनाथ मंदिर में भाजपा शहर मंडल एवं बालाजी भक्त मंडली के संयुक्त तत्वावधान में भगवान भोलेनाथ की फूल मालाओं से आकर्षक झांकी सजाकर मंदिर में ओंकार मंत्र, रामधुनी, सुंदर कांड के पाठ सहित भजन संकीर्तन किया। इस अवसर पर भाजपा शहर महामंत्री डॉ. जयनारायण कुमावत, अक्षय शर्मा, गोविन्द शर्मा, राहुल जांगिड़, गोलू जांगिड़, रमेश सैनी, बद्री जांगिड़, राजेन्द्र, रामधन चौधरी, छीतर कुमावत, गणेश सैनी, बद्री मीणा, प्रकाश सैनी, रमेश शर्मा, पवन साहू, शोराज यादव, बनवारीलाल यादव, डॉ गीता कुमावत, उमा व सन्तोष सहित कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

देवली शहर में चाइनीज़ मांझे की चपेट में आने से बालिका हुई गंभीर रूप से घायल

टोंक जिला कलेक्टर के आदेशों की पालना करवाने में उपखंड अधिकारी बरत रही लापरवाही

एक सप्ताह पूर्व चाइनीज मांझे के विरुद्ध पालिका की ओर से की गई थी खानापूर्ति भरी करवाई

बालिका के जीवन पर हुआ वार किसको ठहराया जाये इसका जिम्मेदार.?

बढ़ता राजस्थान

देवली (गोविंद सिंह सेठी)। रविवार को मामला यह सामने आया कि शनिवार को चाइनीज मांजे की चपेट में आने से एक बालिका गंभीर रूप से घायल हो गई। चाइनीज मांझे से बालिका का चेहरा इस कदर जख्मी हो गया की बालिका के चेहरे पर आए जख्मों को भरने में कई महीने लग सकते हैं। तो वही इस घटना के बाद स्थानीय लोगों ने इसका जिम्मेदार प्रशासनिक अधिकारियों को ठहराया है। वह इसलिए की केंद्र सरकार और राज्य सरकार के निर्देश पर टोंक जिला कलेक्टर ने जिले भर में चाइनीज मांजे की बिक्री पर रोक लगाई हुई है। लेकिन इसके बावजूद देवली शहर में चाइनीज मांझा बे रोकटोक धड़ल्ले से बिक रहा है। टोंक जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल ने अभी हाल ही में मकर संक्रांति त्योहार को देखते हुए पहले से चाइनीज मांझे की बिक्री को रोकने के लिए आदेश जारी किए हुऐ है। इसकी पालना यहां उपखंड अधिकारी और पालिका के अधिशासी अधिकारी और थाना प्रभारी को करवानी थी। इस पर कार्रवाई करने के निर्देश उपखंड अधिकारी रूबी अंसार और नगर पालिका के अधिशाषी अधिकारी सुरेश कुमार मीणा को प्राप्त है। इसके बावजूद यहां चाइनीस मांझा शहर भर में धड़ल्ले से बिक रहा है। इसका मुख्य कारण है कि जिला कलेक्टर के आदेशों की पालना यहां नहीं हो रही है। यहां देखने वाली बात तो यह है कि जिला कलेक्टर के आदेशों की पालना करवाने वाले उक्त स्थानीय अधिकारियों की मौजूदगी के बीच पतंग डोर व्यापारी खुलेआम बेखौफ रहते हुए प्रतिबंधित चाइनीज मांझा बेच रहे हैं। ऐसे में जानकारी के अनुसार अभी हाल ही में एक सप्ताह पहले पालिका के कर्मचारियों ने चाइनीज माझे के विरुद्ध महज खानापूर्ति भरी करवाई जरूर की थी। इस पर यहां लोगों का मानना है कि अगर नगर पालिका की ओर से या पुलिस प्रशासन की ओर से शहर में बिक रहे चाइनीझ मांजे के विरुद्ध अगर कोई ठोस कार्रवाई की गई होती तो आज देवली शहर की बालिका का चेहरा गंभीर रूप से घायल नहीं होता। मामला यह है कि विवेकानंद कॉलोनी रामदेव बाबा मंदिर के पास रहने वाली एक बालिका जो कि कोटा रोड से होते हुए अपने घर को आ रही थी। इस दौरान रास्ते मे ही चाइनीज़ मांझे की धारदार डोर की चपेट में आकर वह गंभीर रूप से जख्मी हो गई। बालिका के गाल व नाक बुरी तरह कट गया। इस दौरान लोगों ने बालिका को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती करवाया । गनीमत ये रही कि मांझा गले मे नही उलझा अन्यथा स्थिति बहुत गंभीर हो सकती थी। उल्लेखनीय है की जिला कलेक्टर के आदेश के बाद मीडिया की खबरें प्रकाशित होने के पश्चात शहर में चाइनीझ मांझे पर कार्रवाई तो हुई मगर वह केवल दिखावे तक ही सिमित रही। गौरतलब है कि यहां पुलिस थाने के ठीक सामने गांधी पार्क वाली गली में और शहर के मुख्य बाजार में चाइनीज़ मांझे की खेप का खुलेआम व्यापार चल रहा है, यहां थोक के स्तर पर हो रही चाइनीज मांझे की बिक्री की जानकारी उपखंड अधिकारी रूबी अनुसार पालिका अधिशासी अधिकारी सुरेश कुमार मीणा थाना प्रभारी दौलत राम गुर्जर को बखूबी प्राप्त है। ऐसे हालातो की जानकारी मीडिया द्वारा उक्त अधिकारियों को कई मर्तबा दी गई। इसके बावजूद यहां प्रतिबंधित चाइनीज मांझा बिकता चला जा रहा है।

श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा

भावनात्मक बुद्धि के विकास और नकारात्मकता छोड़ने से ही पारिवारिक तनाव मुक्ति संभव -मुनि अर्हत कुमार

बढ़ता राजस्थान

सवाई माधोपुर (राकेश शर्मा)। पारिवारिक तनाव आज की जटिलतम समस्या बनकर उभर रही है। टूटते रिश्ते,बढ़ती आत्महत्याएं, पारिवारिक अलगाव से हर कोई आक्रांत है। आपसी समझ की कमी, भौतिक वादी जीवन शैली, निजी स्वार्थ, बढ़ती अपेक्षाएं, मोबाइल क्रांति, जीवन मूल्यों में बदलाव, आपसी विश्वास की टूटन, मानसिक अस्वस्थता जैसे कारणों से परिवार बिखर रहे है। उक्त विचार युगप्रधान आचार्य महाश्रमण के विद्वान सुशिष्य मुनि अर्हत कुमार ने श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा मंडी रोड आवासन मंडल द्वारा आयोजित टूटते रिश्ते बिखरते परिवारः कारण और निवारण विषयक संगोष्ठी में जन मेदिनी के समक्ष दुर्ग पैलेस गार्डन में व्यक्त किए। उक्त जानकारी देते हुए तेरापंथ सभा के अध्यक्ष अनिल जैन एडवोकेट व मंत्री प्रदीप जैन ने बताया कि मुनि ने पारिवारिक बिखराव को रोकने के लिए खुली और ईमानदार बातचीत, भावनात्मक बुद्धि को बढ़ावा देने, परिवार को अधिक समय देने, क्षमा और करुणा जैसे मूल्यों को जीवन में स्थान देने, स्पष्ट सीमाएं निर्धारित करने, अतीत से सीखने, पारंपरिक मूल्यों को समझने, साधु साध्वियों से निरंतर संपर्क बढ़ाने जैसे निवारक कारणों की विस्तृत जानकारी दी। मुनि जयदीप कुमार ने पारिवारिक बिखराव को रोकने और समरसता को बढ़ावा देने वाले सूत्र प्रदान किए व

सुमधुर गीतिका द्वारा उद्बोधित किया। मुनि भरत कुमार ने दंपत्तियों के मध्य बढ़ते विभेदों को रेखांकित करते हुए नकारात्मक चिंतन से दूर रहकर विधायी चिंतन को जीवन में स्थान देने की महत्वपूर्ण प्रेरणा दी । इससे पूर्व तेरापंथ महिला मंडल की बहिनों द्वारा गीतिका के माध्यम से मंगलाचरण की प्रस्तुति दी। तेरापंथ कन्या मंडल आदर्श नगर की कन्याओं ने विषय आधारित प्रेरणादाई नाटिका की प्रस्तुति दी। स्थानीय सभा द्वारा अतिथिगण का पारंपरिक तरीके से दुपट्टा पहना कर सम्मान किया गया।

70 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडा पोस्त जब्त,दो गिरफ्तार

जब्त डोडा पोस्त की कीमत लगभग 31 लाख रूपए

बढ़ता राजस्थान

निवाई (का.स.)। जिला स्पेशल टीम व बरोनी पुलिस ने बरोनी थाना क्षेत्र में नशे के विरूद्ध लगातार प्रभावी कार्यवाही करते हुए एनएच 52 पर ट्रक से करीब 70 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडा पोस्त जब्त किया है। जिसके दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। डोडा पोस्त की अन्तराष्ट्रीय बाजार की कीमत लगभग 11 लाख रूपये व जब्त डोडा पोस्त की कुल कीमत लगभग 31 लाख रूपए है। जिला स्पेशल टीम प्रभारी ओमप्रकाश एवं पुलिस उपनिरीक्षक नूर मोहम्मद ने बताया कि गठित टीम द्वारा एनएच 52 पर सुनियोजित तरीके से जिला स्पेशल टीम द्वारा कोटा की ओर से आ रहे ट्रक को बरोनी के पास नाकाबन्दी करके रूकवाया। ट्रक को रूकवाकर ट्रक चालक व ट्रक से एक अन्य व्यक्ति को डिटने किया तथा अवैध रूप से परिवहन किये जा रहे करीबन 70 किलो ग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडा पोस्त को जप्त किया गया। उन्होंने बताया कि प्रारम्भिक पूछताछ में सामने आया है कि दोनों आरोपी जावरा एमपी से ट्रक में भरे हुए चने की दाल के कट्टों के बीच में अवैध मादक पदार्थ डोडा पोस्त को छुपाकर होशियारपुर पंजाब ले जा रहे थे। उन्होंने बताया कि यह माल एमपी से झालावाड, कोटा, बून्दी होते हुए जयपुर के रास्ते से पंजाब ले जाया जाना था। पुलिस ने आरोपी नरेन्द्र सिंह पुत्र मोहन सिंह सैनी निवासी मूण्डिया कला पुलिसथाना जमालपुर जिला लूधियाना पंजाब एवं गुरूप्रीत सिंह पुत्र दिलबिन्दर पाल रविदासीय निवासी गोलिया थाना गढशंकर जिला होशियारपुर पंजाब को गिरफ्तार किया है।

कर्मचारी महासंघ की आक्रोश रैली आज

कर्मचारी महासंघ की आक्रोश रैली में शामिल होंगे पंचायत शिक्षक

बढ़ता राजस्थान

निवाई (का.स.)। राज्य सरकार की कर्मचारियों के प्रति विरोधाभासी नीतियों को लेकर कर्मचारी महासंघ द्वारा 12 जनवरी को जयपुर में आक्रोश रैली का आयोजन किया जाएगा। जिसमें टोंक जिले के सैंकड़ों कर्मचारी रामनिवास बाग जयपुर में एकत्रित होकर सिविल लाइन मुख्यमंत्री आवास तक आक्रोश रैली निकालेंगे।

पंचायत शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष जगदीश प्रसाद मीणा ने बताया कि सरकार की कर्मचारियों के प्रति विरोधाभास नीतियों को लेकर टोंक जिले के पंचायत शिक्षक जिलाध्यक्ष अनिल मिश्रा के नेतृत्व में आक्रोश रैली में शामिल होंगे।

जिसकी तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित हुई। बैठक में निर्मल शर्मा, हरितिमा पारिक, कुलदीप खंगार, मदन मीणा, गोविंद तिवारी, मणिशंकर पारीक व दिनेश जांगिड़ सहित सभी पंचायत शिक्षक मौजूद थे।

भगवान देवनारायण मंदिर में ट्रस्ट अब धार्मिक गतिविधियों के साथ-साथ शिक्षा के क्षेत्र में भी नवाचार करेगा- नरेश गुर्जर

बढ़ता राजस्थान

दानपात्र खोले, मिले 9.52 लाख रूपए

निवाई (का.स.)। देवधाम जोधपुरिया में भगवान देवनारायण के मंदिर में ट्रस्ट के अध्यक्ष नरेश गुर्जर की अध्यक्षता में दानपात्र खोले गए। दानपात्रों से कुल 9 लाख 52 हजार 550 रुपए की राशि प्राप्त हुई है। जिसे कोषाध्यक्ष द्वारा मंदिर ट्रस्ट के बैंक खाते में जमा करवा दिया गया। ट्रस्ट महामंत्री रतनदीप गुर्जर एवं कोषाध्यक्ष जगदीश बोकण ने उपस्थित श्रद्धालुओं एवं गणमान्य लोगों के समक्ष मंदिर ट्रस्ट की आय-व्यय का विस्तृत ब्यौरा प्रस्तुत किया। ट्रस्ट पदाधिकारियों ने बताया कि दान की राशि का उपयोग मंदिर विकास, धार्मिक आयोजनों एवं सामाजिक कार्यों में पारदर्शिता के साथ किया जाएगा। ट्रस्ट अध्यक्ष नरेश गुर्जर ने कहा कि आगामी मेले को लेकर सभी समाज के लोगों के सुझाव व विचार आमंत्रित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले लक्खी मेले को भव्य और सुव्यवस्थित रूप से आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मंदिर ट्रस्ट की आय-व्यय का लेखा-जोखा प्रत्येक महीने में सार्वजनिक किया जाएगा, जिससे लोगों को कितनी राशि प्राप्त हुई और कितना खर्च हुआ है की जानकारी रहेगी। नरेश गुर्जर ने कहा कि मंदिर ट्रस्ट अब धार्मिक गतिविधियों के साथ-साथ शिक्षा के क्षेत्र में भी नवाचार करेगा। ट्रस्ट को धर्म के साथ शिक्षा से जोड़ा जाएगा और समाज के हर वर्ग को साथ लेकर मंदिर के विकास कार्य किए जाएंगे। दानपात्र खोलने के दौरान भूणाराम गुर्जर, सीताराम छावड़ी, आरड़ी गुर्जर, मनफूल पटेल, बद्री डॉक्टर, देवलाल, रामधन जगतपुरा, गोपी डीलर, राजाराम हरभांवता, श्रवण सेदरिया, सुरेश कसाणा, जयनारायण कसाणा, लालाराम सरपंच, श्रवण चौहान, महंत श्रवण दास, लालाराम नेकाड़ी व घासी भोपा सहित कई पदाधिकारी व श्रद्धालु मौजूद थे।

पुनर्गठनः शिक्षा विभाग में बड़ा बदलाव, एक झटके में खत्म कर दिए 943 पद

बढ़ता राजस्थान

सवाई माधोपुर (राकेश शर्मा)। राज्य सरकार ने स्कूली शिक्षा विभाग में मंत्रालयिक संवर्ग के पदों का पुनर्गठन करते हुए कनिष्ठ सहायक (पूर्व पदनाम एलडीसी) के करीब एक हजार पद समाप्त कर दिए हैं। पद पुनर्गठन की प्रक्रिया में माध्यमिक एवं प्रारंभिक शिक्षा दोनों विभाग शामिल रहे। मंत्रालयिक संवर्ग में कनिष्ठ सहायक से लेकर संस्थापन अधिकारी तक के पदों को इस पुनर्गठन में सम्मिलित किया गया है। री-स्ट्रक्चरिंग के तहत कनिष्ठ सहायक के सर्वाधिक 943 पद घटाए गए, जबकि उच्चतर कैडर के पदों में वृद्धि की गई। इसमें अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी के सबसे अधिक 412 पद बढ़ाए गए हैं। हालांकि कुल मंत्रालयिक पदों की संख्या में किसी प्रकार का बदलाव नहीं किया गया है और यह संख्या पूर्ववत 27041 ही रखी गई है।

कनिष्ठ सहायक की अधिकतम कटौती

वित्त विभाग की संयुक्त शासन सचिव डॉ. भारती दीक्षित द्वारा जारी आदेशानुसार पुनर्गठन में केवल कनिष्ठ सहायक के पदों में कटौती की गई है। इनके विभाग में स्वीकृत कुल 12814 पदों में से 943 पद समाप्त कर दिए गए, जिससे यह संख्या घटकर 11871 रह गई।

विभागवार इस तरह बंटवारा

पुनर्गठन के बाद राज्य सरकार ने माध्यमिक एवं प्रारंभिक शिक्षा विभाग में संवर्गवार पदों का विभाजन निर्धारित किया है। इसके अनुसार माध्यमिक एवं प्रारंभिक विभाग में क्रमशः कनिष्ठ सहायक के 893 और 50 पद समाप्त किए गए। वहीं माध्यमिक शिक्षा में संस्थापन अधिकारी के 99, प्रशासनिक अधिकारी के 153, अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी के 410, सहायक प्रशासनिक अधिकारी के 197 और वरिष्ठ सहायक के 34 पद बढ़ाए गए। प्रारंभिक विभाग में क्रमशः 3, 11, 2, 34 और शून्य पदों की वृद्धि की गई।

स्वत : विलोपित होंगे पद

आदेशानुसार पुनर्गठन 14 अक्टूबर 2025 से प्रभावी किया गया है। इसके तहत सृजित पदों से अधिक संख्या में कार्यरत कार्मिक होने की स्थिति में अतिरिक्त पदों को स्थायी रूप से सृजित माना जाएगा। ऐसे कार्मिकों की पदोन्नति, सेवानिवृत्ति या स्थानांतरण पर पद रिक्त होते ही अस्थायी रूप से सृजित पद स्वयं विलोपित माने जाएंगे। कनिष्ठ सहायक के पदों में कटौती का शिक्षा विभागीय कर्मचारी संघ राजस्थान ने विरोध किया है। संघ पदाधिकारियों का कहना है कि कनिष्ठ सहायक विभागीय प्रशासन की आधारशिला हैं। इनके पदों में कमी से विभाग के कार्य प्रभावित होंगे। पीईईओ स्तर पर एलडीसी की भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण रहती है। संघ ने मांग की है कि कार्यालयों में शैक्षिक संवर्ग के पदों को प्रशासनिक कार्यों से अलग कर मंत्रालयिक संवर्ग के अधिकारियों से ही कराए जाएं।

इनका कहना है

पुनर्गठन में कनिष्ठ सहायक के पदों की कटौती से विभागीय कार्य प्रभावित होगा। इससे भविष्य में इन पदों की भर्ती भी संभव नहीं हो सकेगी। अधिकारी केवल फाइलों का मूवमेंट करते हैं, जबकि वास्तविक काम नीचे के स्तर पर एलडीसी करते हैं। सरकार को इस निर्णय पर पुनर्विचार करना चाहिए।

कमल नारायण आचार्य, प्रदेशाध्यक्ष, शिक्षा विभागीय कर्मचारी संघ, राजस्थान (बीकानेर)

हमउम्र पड़ोसी महिला ने पहले साथ में चाय पी, फिर गला घोंटा

- लूट दिखाने के लिहाज से सामान बिखेरा व जेवर साथ ले गई
- असावा में वृद्धा कांतादेवी हत्या मामले का किया राजफाश

बढ़ता राजस्थान

सिरोही(नि.स.)। अनादरा थाना क्षेत्र के असावा गांव में वृद्धा की हत्या के मामले का राजफाश करते हुए पुलिस ने पड़ोसी व हमउम्र महिला को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने हत्या से पहले साथ में चाय पी तथा बाद में गला घोंटकर हत्या कर दी। पुलिस व लोगों को गुमराह करने के लिहाज से उसने वारदात को लूटपाट का रूप देना चाहा। इसके लिए घर का सामान बिखेर दिया तथा वृद्धा के पहने हुए जेवर साथ ले गई।

पुलिस अधीक्षक प्यारेलाल शिवरान ने बताया कि वृद्धा कांतादेवी हत्याकांड मामले में त्वरित गति से कार्रवाई करते हुए राजफाश किया गया है। पुलिस ने असावा निवासी मधुदेवी पत्नी मणीलाल रावल को गिरफ्तार कर लिया। प्रारंभिक पूछताछ में उसने वारदात करना स्वीकार किया है। बताया कि वे दोनों आपस में सहेली थीं, लेकिन परस्पर मनमुटाव भी था। इससे नाराज होकर उसने कांतादेवी का गला घोंटकर हत्या कर दी।

चरित्र पर टिप्पणी करने से थी नाराज

पूछताछ में सामने आया कि चरित्र पर की गई टिप्पणी से मधुदेवी नाराज थी। इसके बाद वह कांतादेवी को सबक सिखाना चाहती थी। गत 7 जनवरी की रात करीब नौ बजे वह कांतादेवी के घर गई। वहां मौका देखकर उसने हत्या कर दी। इसके बाद शव को घसीटकर अंदर कमरे में रखा। फिर घर का सामान बिखेर कर जेवरात ले गई।

इस एंगल से भी तलाशते रहे

घर का सामान बिखरा होने व जेवरात चोरी जाने से पुलिस इस मामले को लूट या चोरी के एंगल से भी जांच कर रही थी। पुलिस ने ब्लाइंड मर्डर को देखते हुए साइबर सैल, एमओबी, एफएसएल, डॉग स्क्वॉयड समेत कई टीमों को इस काम पर लगाया। इसके लिए तकनीकी आधार पर जांच की गई, लेकिन कोई खास क्लू नहीं मिला।

संदेह हुआ तो क्लू भी सामने आए

उधर, इस दौरान जांच में सामने आया कि मृतका के साथ अंतिम बार मधुदेवी को देखा गया था। इस पहलु पर जांच हुई तो गायब हुए मोबाइल का वापस घर में ही मिलना और डॉग स्क्वॉयड का मधुदेवी के घर के आसपास घूमना आदि क्लू सामने आए। संदेह के आधार पर मधुदेवी को वॉच किया तो संदेह और गहराया। इसके बाद उसे दस्तियाब कर मनोवैज्ञानिक तरीके से पूछताछ की गई। इस पर मामले का खुलासा हुआ।

मुश्किल था पर दो दिन में ही राजफाश

ज्ञातव्य है कि असावा गांव में अकेली रहने वाली वृद्धा कांतादेवी पत्नी भैराराम रावल की गत 7 जनवरी को उसके घर में ही हत्या हो गई थी। सुबह घर में शव पड़ा होने की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची तथा घटनास्थल का जायजा लिया। हत्या की वारदात के बाद लोगों में आक्रोश नजर आया। ब्लाइंड मर्डर का मामला होने से पुलिस के लिए इसका क्लू तलाशने में मुश्किल हो रही थी, लेकिन दो ही दिन में राजफाश कर दिया गया।

केलवा-आमेट रोड पर प्रशासनिक अनदेखी, घंटों जाम में फंसे राहगीर

बढ़ता राजस्थान

राजसमंद (सुरेश बागोरा)। केलवा-आमेट रोड पर सड़क निर्माण कार्य के चलते भारी वाहनों की आवाजाही पर रोक के बावजूद पुलिस व प्रशासन की अनदेखी से रोजाना लंबा जाम लग रहा है। हालात ऐसे हैं कि राजगीर सहित आम राहगीरों को घंटों तक जाम में फंसे रहना पड़ रहा है। जानकारी के अनुसार केलवा आमेट क्षेत्र में पीडब्ल्यूडी द्वारा सड़क निर्माण कार्य जारी है। विभाग ने भारी वाहनों के आवागमन पर रोक लगाते हुए वैकल्पिक मार्ग निर्धारित किए हैं, इसके बावजूद परिवहन सामग्री व गिट्टी से भरे ट्रैक्टर और अन्य भारी वाहन धड़ल्ले से इसी मार्ग से गुजर रहे हैं।

भारी वाहनों की आवाजाही के कारण सड़क पर बार-बार जाम की स्थिति बन रही है, जिससे दोपहिया और चारपहिया वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्कूली बच्चों, मरीजों और कामकाजी लोगों को समय पर अपने गंतव्य तक पहुंचना मुश्किल हो गया है। प्रशासन द्वारा बड़े वाहनों के लिए केलवा-जैतपुरा -सियाणा रोड को वैकल्पिक मार्ग के रूप में तय किया गया था, लेकिन वाहन मालिकों की मनमानी और ट्रैफिक नियमों की खुलेआम अनदेखी से यातायात व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है।ग्रामीणों और राहगीरों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि सड़क निर्माण पूर्ण होने तक भारी वाहनों पर वैकल्पिक मार्ग पर भेजा जाए, वैकल्पिक मार्गों पर सख्ती से यातायात सुचारू कराया जाए, ताकि आम जनता को राहत मिल सके।

कड़ाके की ठंड के बीच गरीबों को राजस्थान उत्तराखंड सभा ने जयपुर में बांटे कंबल

पूरे महीने चलता रहेगा वस्त्र वितरण अभियान ढूंढ ढूंढ कर जरूरतबंदो को बांटे जाएंगे गर्म कपड़े

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। 11 जनवरी, राजस्थान उत्तराखंड सभा, राजस्थान प्रदेश युवा प्रकोष्ठ की ओर से जयपुर के पदाधिकारियों द्वारा जरूरतबन्दों को कंबल व गरम कपड़े बांटे गये। सभा प्रदेश अध्यक्ष बी एस रावत की उपस्थिति और बृजमोहन सिंह नेगी, प्रदेश युवा प्रकोष्ठ महासचिव के निर्देशन में कार्यक्रम रखा गया। सभा अध्यक्ष बी एस रावत ने कहा कि हम सालों साल से वस्त्र वितरण कार्यक्रम करते आ रहे है उसी सिलसिले में आज वस्त्र दान कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। जयपुर में ठंड ज्यादा बढ़ी हुई है ऐसे में सभा के पदाधिकारियों ने आज जयपुर के मांगयावास क्षेत्र में झुग्गी झोपड़ीयों, खुल्ले में रहने को मजबूर परिवारों के बीच जाकर कंबल व कपड़े बांटे गये।

प्रदेश महासचिव प्रहलाद सिंह अधिकारी ने कहा कि परहित सरसी धर्म नही भाई.. असहाय पीड़ितों, जरूरतबन्दों की सेवा का फल अनमोल होता है यही कार्य सभा के पदाधिकारी मिलजुलकर कर रहे है। आज भी सभी प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों ने कम्बल और पुराने पहनने योग्य गर्म कपड़े एकत्रित कर सैकड़ों परिवारों के मध्य बांटे। सभा का यह प्रयास लगातार आगे भी अन्य जगहों में वस्त्र वितरण कार्यक्रम किये जायेंगे। कार्यक्रम में सभा मुख्य पदाधिकारी अजय सिंह नेगी, महावीर सिंह पटवाल, गोदावरी कांडपाल, बीना पंत, ज्योति नेगी, नवीन जोशी, अमर सिंह अधिकारी, परमेश चौहान, धीरज नेगी, प्रदीप तराड़ी, रीता आनन्द पांडे, बसंत भट्ट, दुर्गा सिंह अधिकारी, विक्रम सिंह अधिकारी, ललित फुलार, चंडी प्रसाद के अलावा विभिन्न प्रकोष्ठों के पदाधिकारी, सहयोगियों ने पहुंचकर सैकड़ों परिवारों को सर्दी में गर्म कपड़े, कंबल, खाद्य सामग्री देकर राहत पहुंचाई। प्रदेश संगठन मंत्री ने सभी कार्यक्रम सहयोगियों, साथियों का धन्यवाद किया।

ऑनलाइन गेमिंग में प्रतिदिन नौ से दस लाख ठगी का भंडाफोड़

होटल में पखवाड़ेभर से चल रहा था ठगों का रैकेट

बढ़ता राजस्थान

सिरोही(नि.स.)। सरूपगंज पुलिस ने एक होटल से चल रहे ऑनलाइन गेमिंग रैकेट का भंडाफोड़ करते हुए तीन जनों को गिरफ्तार किया है। आरोपी प्रतिदिन नौ से दस लाख रुपए की ठगी कर रहे थे। सरूपगंज की इस होटल में यह गिरोह करीब पखवाड़ेभर से काम कर रहा था। पुलिस ने इनके पास से कई बैंक खातों की पास बुक, सिम कार्ड, एटीएम कार्ड, लैपटॉप समेत अन्य सामग्री जब्त की है।

पुलिस के अनुसार सरूपगंज की होटल राजहंस में कमरा किराये पर लेकर ऑनलाइन गेमिंग का रैकेट चलाया जा रहा था। सूचना मिलने पर पुलिस ने यहां दबिश देकर गुजरात निवासी तीन युवकों को गिरफ्तार किया। इसमें नाड़ोतरा छापी निवासी राकेशकुमार पुत्र बाबूलाल त्रिवेदी, नवी संधादि - बनासकांठा निवासी महेश पुत्र भीखाभाई चौधरी व कबीरपुरा बड़गांव निवासी हितेशकुमार पुत्र लालजीभाई चौधरी शामिल है। पूछताछ के बाद इस रैकेट में शामिल अन्य लोगों के गिरफ्तारी होने की संभावना है।

किराये पर ले रखे थे बैंक खाते

अधिकारी बताते हैं कि आरोपियों के पास से दो लेपटॉप, 18 एंड्रॉइड मोबाइल, एक डोंगल, दस सिम कार्ड, 15 एटीएम कार्ड, नौ बैंक खाता पासबुक, तीन चैक बुक जब्त की गई है। इनकी दो कारें भी जब्त कर ली गई। खातों में प्रतिदिन नौ से दस लाख रुपए का लेन-देन किया जा रहा था। वहीं, बैंक खातों को कमीशन आधार से किराये पर लिया हुआ था। इनको कुछ राशि दी जाती थी।

फिर भी पुलिस को भनक नहीं लगती

बताया जा रहा है कि ऑनलाइन गेमिंग से जुड़े ये आरोपी यहां पहले भी आ चुके हैं। इस होटल में रहते हुए कुछ दिनों तक रैकेट चलाया जाता है। इसके बाद सामान समेटकर फुर्र हो जाते हैं। रैकेट में शामिल सदस्य अनधिकृत ऐप के जरिए करोड़ों का गेम चला रहे थे। इस राशि को हवाला के जरिए विदेश तक भेजने की बात भी सामने आई है। इस बार भी करीब पखवाड़ेभर से यहां काम चल रहा था, लेकिन पुलिस को भनक तक नहीं लगी। ऐसे में हाईवे की होटलों में नियमित जांच एवं पुलिस गश्त के दावों की भी पोल खुल रही है।

द्वारकेश बस्ती में हिंदू सम्मेलन की तैयारियां तेज

18 जनवरी को निकलेगी भव्य शोभायात्रा

बढ़ता राजस्थान

राजसमंद (नि.स.)। जिला मुख्यालय पर द्वारकेश बस्ती की ओर से 18 जनवरी को आयोजित होने वाले हिंदू सम्मेलन की तैयारियों जोर पकड़ा हैं। आयोजन से जुड़े पदाधिकारियों ओर सर्व समाज के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में जेके मोड स्थित कार्यालय में हुई बैठक में सम्मेलन आयोजन व्यवस्था, जनभागीदारी पर विस्तृत चर्चा के साथ सम्मेलन की भव्यता और व्यवस्थाओं को लेकर अंतिम रूपरेखा तैयार की गई।

हिंदू सम्मेलन के तहत 18 जनवरी दोपहर 1 बजे मुखर्जी चौराहा कुमावत समाज नोहरे से शोभायात्रा रवाना होगी, उसके बाद कार्यक्रम स्थल द्वारकेश वाटिका में अपरान्ह 4 बजे धर्मसभा आयोजित होगी।

कार्यक्रम संयोजक चंद्र मोहन सोलंकी ने बताया कि बैठक में शोभायात्रा, बस्ती ओर प्रमुख चौराहे सजावट, पंडाल, बैठक, स्वागत, मंच व्यवस्था, प्रचार प्रसार, आमंत्रण टोली, सुरक्षा, अनुशासन, यातायात, वाहन पार्किंग, भोजन व्यवस्था सहित कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अन्य समितियों का गठन कर जिम्मेदारियों को बांटा गया। कार्यक्रम के तहत बस्ती के मुखर्जी चौराहा स्थित कुमावत समाज के नौहरे से शोभायात्रा रवाना होगी। जो मुखर्जी चौराहा, जेके मोड, मुख्य चौपाटी, कांकरोली बस स्टैंड होती हुई कार्यक्रम स्थल श्री द्वारकेश वाटिका में पहुंचकर धर्म सभा में परिवर्तित होगी। जहां साधु संतों ओर प्रबुद्धजनों की मौजूदगी में बौद्धिक होगा।

पीएम श्री विद्यालय के विद्यार्थियों का हिंगोनिया गौ पुनर्वास केंद्र तक कृषि-औद्योगिक भ्रमण

बढ़ता राजस्थान

प्रागपुरा (नि.स.)। पीएम श्री महात्मा गांधी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय प्रागपुरा के कक्षा 9 के विद्यार्थियों ने शनिवार को व्यावसायिक शिक्षा (कृषि एवं पशुपालन) के अंतर्गत हिंगोनिया गौ पुनर्वास केंद्र का फील्ड विजिट किया।

यह भ्रमण आध्यात्म, कृषि-पशुपालन, नैतिक शिक्षाओं और व्यावहारिक अनुभव का अनूठा समन्वय सिद्ध हुआ। विद्यालय के प्राचार्य विपिन कुमार मामोडिया ने हरी झंडी दिखाकर छात्रों के दल को रवाना किया। उन्होंने बताया कि इस भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों में कृष्ण भावना, गौ-संरक्षण, पशु सेवा, कृषि संबंधी जागरूकता और सामाजिक-नैतिक मूल्यों को मजबूत करना है। भ्रमण प्रभारी व्याख्याता प्रकाश चंद गुर्जर ने कहा कि व्यावसायिक शिक्षा का असली उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल पाठ्यपुस्तकों तक सीमित न रखकर वास्तविक जीवन, कार्य पद्धति और कौशल आधारित गतिविधियों से जोड़ना है। यात्रा में व्याख्याता धोलाराम यादव, मालाराम यादव, पुष्पा देवी व संगीता देवी सहित विद्यालय स्टाफ ने सक्रिय सहयोग दिया। विद्यालय की ओर से विद्यार्थियों हेतु भोजन, फल व नाश्ता की समुचित व्यवस्था की गई।

स्वयंसेवी शिक्षण संस्थान संरक्षण समिति राजस्थान के कार्यालय का उद्घाटन

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। स्वयंसेवी शिक्षण संस्थान संरक्षण समिति राजस्थान के कार्यालय का उद्घाटन हरदेव विहार, वैशाली मार्ग पश्चिम, मीनावाला, जयपुर में श्रीमती संतोष वर्मा, मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी, झोटवाड़ा शहर, जयपुर तथा करणी विहार मंडल भाजपा अध्यक्ष कालूराम शर्मा एवं उपाध्यक्ष मुकेश शर्मा द्वारा फीता काटकर किया गया।

इस अवसर पर संतोष वर्मा ने समिति के नव-निर्वाचित पदाधिकारियों, कार्यकारिणी सदस्यों एवं संरक्षक मंडल को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि निजी विद्यालयों से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए विभाग का सहयोग सदैव रहेगा।

समिति अध्यक्ष भूपराम शर्मा ने जानकारी दी कि अब समिति का कार्यक्षेत्र संपूर्ण राजस्थान रहेगा और प्रत्येक निजी विद्यालय की समस्याओं के समाधान हेतु समिति सक्रिय रूप से कार्य करेगी। उन्होंने बताया कि समिति का प्रथम लक्ष्य सरकार से आरटीई के अंतर्गत नि:शुल्क प्रवेशित प्री-प्राइमरी विद्यार्थियों की पुनर्भरण राशि का भुगतान सुनिश्चित करवाना तथा पिछले लगातार पाँच वर्षों से निर्धारित यूनिट कॉस्ट 13,535 में वृद्धि करवाना है।

मंडल अध्यक्ष कालूराम शर्मा ने समिति के सभी पदाधिकारियों को बधाई देते हुए आश्वासन दिया कि सरकार के स्तर पर निजी विद्यालयों की समस्याओं एवं न्यायोचित मांगों के लिए पूरा सहयोग प्रदान किया जाएगा।

समिति के उपाध्यक्ष मुकेश कुमार शर्मा, सचिव सवाई सिंह धायल, कोषाध्यक्ष लक्ष्मीनारायण यादव एवं सभी सदस्यों ने अतिथियों का दुपट्टा पहनाकर एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। समिति के संरक्षक अनूप सिंह शेखावत ने सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए समिति के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में संगठन मंत्री रामेश्वर प्रजापत ने समिति के विस्तार एवं भावी योजनाओं पर प्रकाश डाला।

जिला कलक्टर अरुण कुमार हसीजा के निवास पहुंचे जैन मुनि श्री संबोध कुमार

- जैन मुनि संबोध कुमार का जिला कलक्टर निवास पर आध्यात्मिक प्रवचन
- आज की पीढ़ी दिग्भ्रमित, जीवन का लक्ष्य जानना जरूरी -मुनि संबोध कुमार

बढ़ता राजस्थान

राजसमंद (सुरेश बागोरा)। रविवार सुबह जैन मुनि श्री संबोध कुमार जी जिला कलक्टर श्री अरुण कुमार हसीजा के राजकीय आवास पहुंचे, जहां उन्होंने अपनी ओजस्वी एवं मधुर वाणी से उपस्थितजनों को आत्मचिंतन और जीवन मूल्यों की दिशा में मार्गदर्शन दिया। मुनि के आगमन पर जिला कलक्टर अरुण कुमार हसीजा ने सपरिवार, विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारियों तथा जैन समाज के स्थानीय नागरिकों के साथ उनका स्वागत किया और प्रवचन का लाभ लिया। इस अवसर पर जिला कलक्टर ने स्वयं को इस पुण्य अवसर का निमित्त मानते हुए आभार व्यक्त किया।

अहिंसा और संवेदनशीलता ही जीवन का मूल आधार

अपने प्रवचन में मुनि संबोध कुमार ने कहा कि जैन दर्शन का मूल उद्देश्य यही है कि किसी भी व्यक्ति, जीव या समाज को हमारे आचरण से किसी प्रकार की ठेस न पहुंचे। उन्होंने कहा कि जीवन में सफलता भौतिक उपलब्धियों से नहीं, बल्कि संवेदनशीलता, संयम और सह-अस्तित्व की भावना से मापी जाती है। व्यक्ति को यह सतत प्रयास करना चाहिए कि वह कभी भी किसी के दुख का कारण न बने और जहां संभव हो, वहां सहारा व समाधान देने का कार्य करे।

संस्कारवान पीढ़ी का निर्माण सबसे बड़ी जिम्मेदारी

मुनि ने बच्चों और युवाओं के संदर्भ में कहा कि परिवार और समाज की सबसे बड़ी जिम्मेदारी नई पीढ़ी को अच्छे संस्कार देना है। उन्होंने कहा कि बच्चों को केवल शिक्षा ही नहीं, बल्कि जीवन मूल्यों, नैतिकता और जिम्मेदारी का बोध भी कराना आवश्यक है। सही संस्कारों से युक्त युवा ही समाज और राष्ट्र को सही दिशा दे सकते हैं। उन्होंने अभिभावकों से आग्रह किया कि वे बच्चों को समय दें, संवाद करें और उन्हें जीवन के सही उद्देश्य से परिचित कराएं। प्रवचन के अंत में उपस्थित जनों ने मुनि के विचारों को प्रेरणादायक बताया और उन्हें अपने जीवन में आत्मसात करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का वातावरण शांति, सकारात्मकता और आत्मिक ऊर्जा से परिपूर्ण रहा। जिला परिषद सीईओ बृजमोहन बैरवा, मेवाड़ तेरापंथ कॉन्फ्रेंस के कार्यवाहक अध्यक्ष भूपेन्द्र चोरडिया, तेरापंथ सभा कांकरोली अध्यक्ष लाभचन्द बोहरा, भिक्षु बोधि स्थान राजनगर अध्यक्ष हर्षलाल नवलखा, कार्यकारी अध्यक्ष शांतिलाल कोठारी, राजकुमार दक ने विचार व्यक्त किये। संचालन राजकुमार दक ने किया।

जे.के. सीमेंट वर्क्स द्वारा किया गया प्रतिभावान विद्यार्थियों का सम्मान

बढ़ता राजस्थान

निंबाहेड़ा (नि.स.)। जे.के. सीमेंट वर्क्स निंबाहेडा द्वारा अपने सामाजिक सरोकार के तहत क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों में अध्यनरत प्रतिभावान बालक बालिकाओं का प्रतिभा सम्मान समारोह जे.के. सीमेंट के आरटीसी भवन में आयोजित किया गया जहां पर प्रतिभावान बालक- बालिकाओं को रजत मेडल एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। समारोह के अतिथि ब्लॉक प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी अरविंद मुंदड़ा, जे.के.सीमेंट के टेक्निकल हेड राजेश सोनी, एच.आर. हेड प्रभाकर मिश्रा एवं मॉडल स्कूल के प्राचार्य अनिल सोमानी ने प्रतिभावान बच्चों को रजत मेडल पहना कर प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। समारोह को संबोधित करते हुए ब्लॉक प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी अरविंद मुंदड़ा ने कहा कि सभी को अपनी प्रतिभा को उभारते हुए आगे आना चाहिए और अपने हुनर को दिखाना चाहिए। जे.के. सीमेंट के टेक्निकल हेड राजेश सोनी ने प्रतिभावान बच्चों को अपनी कहानी सुनाते हुए कहा कि मैं यही का पड़ा हुआ हूं और निरंतर मेहनत के चलते में आज इस मुकाम तक पहुंचा हूं।

स्वर्गीय कैलाश चंद्र शर्मा की छठी पुण्यतिथि पर गायों को पशु आहार एवं हरी घास खिलाकर श्रद्धांजलि अर्पित की

बढ़ता राजस्थान

निंबाहेड़ा (नि.स.)। कर्मठ एवं ऊर्जावान कांग्रेस के कार्यकर्ता स्वर्गीय कैलाश चंद्र शर्मा की छठी पुण्यतिथि पर सांवरिया गौशाला निंबाहेड़ा में उनकी पत्नी लिपिका शर्मा, पुत्र चक्षु, पुत्रवधू सोनम, पुत्री परी शर्मा, पोत्री लाडो शर्मा, एवं स्वर्गीय कैलाश शर्मा के मित्र यू. एस, शर्मा बिहारी लाल सोलंकी, द्वारा गायों को पशु आहार एवं हरी घास खिलाकर स्वर्गीय शर्मा की छठी पुण्यतिथि पर आत्मिक श्रद्धांजलि अर्पित की।

रेगा में भगवान राम के नाम पर बयान दुर्भाग्यपूर्ण -कालूलाल गुर्जर

बढ़ता राजस्थान

भीलवाड़ा,(अमित शर्मा)। कांग्रेस देहात के जिला अध्यक्ष द्वारा शनिवार को आयोजित प्रेस वार्ता में नरेगा से संबंधित टिप्पणी को लेकर सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। पूर्व खान, पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास मंत्री कालूलाल गुर्जर ने इस बयान पर कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा कि नरेगा में भगवान राम का नाम जोड़ने से मर्यादा भंग होने की बात कहना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और आपत्तिजनक है। गुर्जर ने कहा कि भगवान राम स्वयं मर्यादा के सर्वोच्च प्रतीक हैं, इसी कारण उन्हें मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम कहा जाता है। उनके जीवन का प्रत्येक क्षण सत्य, धर्म, कर्तव्य और मर्यादा का उदाहरण प्रस्तुत करता है। ऐसे में उनके नाम से मर्यादा भंग होने की बात करना न केवल तथ्यहीन है, बल्कि सनातन आस्था का भी अपमान है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब स्वयं कांग्रेस देहात के जिला अध्यक्ष के नाम में भी "राम" शब्द शामिल है, तो क्या उनके नाम से भी उनकी मर्यादा भंग होती है? भगवान राम के नाम पर इस प्रकार की टिप्पणी किस मानसिकता को दर्शाती है, यह जनता भली-भांति समझ सकती है। कालूलाल गुर्जर ने कहा कि भगवान राम किसी एक वर्ग या राजनीतिक दल के नहीं, बल्कि संपूर्ण भारतवर्ष की आस्था, संस्कृति और संस्कार के आधार हैं। उनके नाम को राजनीतिक बयानबाजी का विषय बनाना निंदनीय है। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों और नेताओं से ऐसे बयानों से बचने तथा समाज में सौहार्द, श्रद्धा और मर्यादा बनाए रखने का आह्वान किया।

अधिवक्ता स्नेह परिवार ग्रुप की बैठक आयोजित

बढ़ता राजस्थान

भीलवाड़ा,(अमित शर्मा)। अधिवक्ता स्नेह परिवार व्हाट्सऐप ग्रुप के तत्वावधान में अधिवक्ताओं की एक महत्वपूर्ण बैठक शनिवार शाम सब्जी मंडी स्थित एडवोकेट अनिल पारीक के कार्यालय पर आयोजित की गई। बैठक में 40 से अधिक अधिवक्ताओं ने सहभागिता की। बैठक में आगामी बार काउंसिल ऑफ राजस्थान के चुनाव को लेकर विस्तार से चर्चा की गई, जिसमें उपस्थित अधिवक्ताओं ने अपने-अपने सुझाव प्रस्तुत किए। साथ ही न्यायालय में पैरवी के दौरान प्राप्त अनुभवों को साझा किया गया। इसके अलावा आगामी मकर संक्रांति पर न्यायालय में आयोजित होने वाले खेलकूद कार्यक्रमों में सहभागिता करने तथा भविष्य में भी इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया गया।

बैठक के उपरांत अधिवक्ताओं ने चाय-पकौड़ों के साथ नाश्ते का आनंद लिया और आपसी सौहार्द एवं वकील एकता का परिचय दिया। बैठक के दौरान जिला अभिभाषक संस्था के रेवेन्यू महासचिव मनोहर लाल बुनकर, अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद के जिला सचिव पीरू सिंह गौड़ सहित बालू लाल उपाध्याय, नवीन चेचानी, सुधीर डांगी, दीपक चतुर्वेदी, सूर्य प्रकाश सरगरा, अनिल पारीक, शिप्रा, अनिल सोनी, जितेन्द्र मारु, सरिता स्वर्णकार, मनीष बूलिया, आरती कुमावत, रेखा ओझा, रेशमा, सुनीता चतुर्वेदी, किरण सोनी, पल्लवी काबरा, यशोदा मंडोवरा, संजय रांका, पवन आचार्य, भगवती कोली, संध्या चतुर्वेदी, पूजा शर्मा, सीमा अहीर, ममता दाधीच, संजना गुर्जर, कृष्णा राव, पुखराज वैष्णव, पूषा लाल तेली, कन्हैयालाल तेली, गोविन्द विश्नोई, आवेश वावला सहित अनेक अधिवक्तागण उपस्थित रहे।

नवसृजित ग्राम पंचायत 3डीडी का सम्मान समारोह आयोजित

बढ़ता राजस्थान

अनूपगढ़ (डी एल सारस्वत)। नवसृजित ग्राम पंचायत 3डीडी के गठन पर ग्रामवासियों द्वारा एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पूर्व विधायक संतोष बावरी, भाजपा कार्यकर्ता विनोद पारीक, पवन भांभू और देवीलाल कूकना विशेष रूप से उपस्थित रहे।

एक संकल्प, अनेक जीवन–बाँकेबिहारी जी की बगीची से गूँजी महिलाओं की रक्तदान के लिए एकजुट आवाज़

'मानव सेवा संकल्प' की पहल से टूटीं भ्रांतियाँ, मातृशक्ति ने लिया मकर संक्रांति पर रक्तदान का संकल्प

बढ़ता राजस्थान

ब्यावर (अनिल सिखवाल)। ब्यावर सामाजिक चेतना और मानवता के प्रति समर्पण की प्रेरक मिसाल पेश करते हुए संस्था 'मानव सेवा संकल्प' ने मकर संक्रांति पर आयोजित होने वाले 12वें विशाल रक्तदान शिविर की तैयारियों के तहत रविवार को सूरजपोल गेट के बाहर स्थित बाँकेबिहारी की बगीची में एक विशेष महिला जागरूकता बैठक का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं में रक्तदान को लेकर फैली भ्रांतियों को दूर कर उन्हें इस जीवनदायी महाअभियान से जोडना रहा बैठक में उपस्थित महिलाओं को संबोधित करते हुए डॉ. अन्जना राठी, लैब टेक्नीशियन रसिक बिहारी व्यास एवं अन्य चिकित्साकर्मियों ने वैज्ञानिक तथ्यों के साथ स्पष्ट किया कि रक्तदान से महिलाओं के स्वास्थ्य पर कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ता। उन्होंने बताया कि उचित हीमोग्लोबिन स्तर वाली स्वस्थ महिलाएँ निश्चित अंतराल पर रक्तदान कर न केवल सुरक्षित रहती हैं, बल्कि समाज के लिए वरदान बनती हैं। कमजोरी, चक्कर या दीर्घकालिक नुकसान जैसी आशंकाओं को विशेषज्ञों ने तथ्यात्मक जानकारी देकर दूर किया संस्था के प्रणेता एडवोकेट अजय शर्मा ने भावपूर्ण शब्दों में कहा, महिलाएं समाज की धुरी हैं। एक जागरूक महिला पूरे परिवार और समाज की सोच बदल सकती है। यदि मातृशक्ति आगे आती है, तो रक्तदान आंदोलन स्वतः जनांदोलन बन जाएगा।पूर्व विधायक माणक डाणी ने भी महिलाओं की सहभागिता को निर्णायक बताते हुए कहा कि महिला शक्ति के जुडने से रक्तदान अभियान को नई ऊर्जा और दिशा मिलेगी संस्था अध्यक्ष अमित बंसल ने 14 जनवरी को फतेहपुरिया बगीची में आयोजित होने वाले शिविर की व्यवस्थाओं की जानकारी साझा की, वहीं शिविर संयोजक मुकेश गर्ग ने कहा कि मानव सेवा संकल्प का उद्देश्य केवल रक्त एकत्र करना नहीं, बल्कि समाज में स्थायी जागरूकता पैदा करना है। पूर्व पार्षद प्रीति शर्मा, समाजसेवी रेणू गर्ग एवं अंजू गर्ग ने महिलाओं से आह्वान किया कि वे स्वयं आगे आकर रक्तदान करें और अपने परिवार व समाज की अन्य महिलाओं को भी प्रेरित करें संस्था सहयोगी विजय तंवर ने सभी उपस्थित महिलाओं को रक्तदान जागरूकता के लिए 'प्रेरक' के रूप में कार्य करने का संकल्प दिलाया।

बैठक के समापन पर सभी महिलाओं ने सामूहिक रूप से हाथ उठाकर इस महाअभियान को सफल बनाने की शपथ ली कार्यक्रम में मुक्ता रामावत, कंचन तंवर, सुनीता शर्मा, रचना पलसानिया, सुनीता यादव, कौशल्या फतेहपुरिया, कुसुम डाणी, मधु डाणी, वीणा सोनी, रीना कटियार, प्रमिला गोत्रिवाल सहित बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं।

क्षतिग्रस्त पुलिया और ओवरफ्लो नालियों से नरकीय हुए हालात, बीमारी फैलने का सता रहा डर

बढ़ता राजस्थान

अनूपगढ़ (डी एल सारस्वत)। शहर के वार्ड नंबर 28 में जल निकासी की बदहाल व्यवस्था को लेकर स्थानीय निवासियों का धैर्य जवाब दे गया। नालियों से गंदे पानी की निकासी न होने और जगह-जगह अवरोध पैदा होने के कारण वार्डवासियों में प्रशासन के खिलाफ भारी रोष व्याप्त है। शनिवार को वार्ड की नारकीय स्थिति को लेकर लोगों ने प्रदर्शन किया और कांग्रेस नगर अध्यक्ष बबलू सोनी को मौके पर बुलाकर अपनी समस्याओं से रूबरू करवाया। वार्डवासियों ने बताया कि मोहल्ले में पानी निकासी के लिए बनाई गई नालियां पूरी तरह चोक हैं। सडक़ पर बनी मुख्य पुलिया भी क्षतिग्रस्त हो रखी है, जिसके कारण गंदा पानी नालियों से बाहर निकलकर सडक़ पर ओवरफ्लो हो रहा है। आलम यह है कि चारों ओर बदबू फैली हुई है और लोगों का पैदल चलना भी दूभर हो गया है। गंदा पानी जमा होने से मौसमी बीमारियां फैलने का भय बना हुआ है। नगर अध्यक्ष बबलू सोनी को वार्डवासियों ने चोक हुई नालियों और क्षतिग्रस्त पुलिया दिखाते हुए प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। निवासियों ने दो टूक शब्दों में कहा कि लंबे समय से शिकायत के बावजूद कोई सुनवाई नहीं हो रही है। आखिर हम जाएं तो जाएं कहां। वहीं नगर अध्यक्ष बबलू सोनी ने कहा कि वार्ड 28 में स्थिति वाकई गंभीर है और जल निकासी का न होना बड़ी समस्या है। मैं इस विषय में तुरंत नगर पालिका के अधिकारियों एवं कर्मचारियों अधिशासी अधिकारी से बात करूंगा और क्षतिग्रस्त पुलिया का पुनर्निर्माण और नालियों की सफाई नियमित रूप से करवाने के कहूंगा ताकि वार्डवासियों को इस नरकीय जीवन से निजात मिल सके।

मोक्षधाम नगर विकास समिति कपासन की नवीन कार्यकारिणी का निर्वाचन प्रक्रिया के साथ हुआ गठन

समिति मे भूपेश गोठवाल अध्यक्ष एवं सचिव पद पर रवींद्र सोमानी निर्वाचित

बढ़ता राजस्थान

कपासन (नि.स.)। क्षेत्र के मोक्षधाम की नगर विकास समिति की नवीन कार्यकारिणी का निर्वाचन प्रक्रिया उपरांत गठन कर विभिन्न पदों पर पदाधिकारियों को निर्वाचित घोषित किया गया। जानकारी अनुसार नगर पालिका कपासन क्षेत्र में राज-राजेश्वर बड़ा तालाब के समीप स्थित मुख्य मोक्षधाम की नगर विकास समिति के सदस्यों द्वारा शनिवार को रामलालजी सोमानी की धर्मशाला में निर्वाचन प्रक्रिया को नियमानुसार सम्पन्न किया गया।इसके बाद शिक्षाविद् चंद्रशेखर तुल्लिया के सानिध्य में मोक्षधाम की नगर विकास समिति की नवीन कार्यकारिणी का गठन किया गया। इस नवीन कार्यकारिणी में अध्यक्ष भूपेश गोठवाल एवं नगर विकास समिति के सचिव पद पर रवींद्र सोमानी को निर्वाचित घोषित किया गया।साथ ही नवीन कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष मांगीलाल लोहार एवं कोषाध्यक्ष पद पर दीनबंधु सोमानी को निर्वाचित घोषित किया गया। इस मौके पर समिति के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों एवं सदस्यों द्वारा समिति के निवर्तमान अध्यक्ष गिरिराज नंदवाना के कार्यकाल दौरान मोक्षधाम में हुवे विभिन्न विकास कार्यों की सराहना के साथ आभार व्यक्त किया गया।इस अवसर पर श्यामलाल चाष्टा, मुकेश काबरा,अनिल चंडालिया,शंकरलाल चाष्टा, राकेश सोमानी,दलबीर सिंह बग्गा एवं पप्पू सोनी आदि मोक्षधाम नगर विकास के सदस्यगण उपस्थित रहे।उक्त बैठक में मोक्षधाम परिसर में हॉल निर्माण हेतु रामलाल सोमानी धर्मशाला ट्रस्ट तथा मुख्य द्वार निर्माण हेतु रमेश ट्रेडर्स (सोमानी परिवार) से मिले सहयोग हेतु नगर विकास समिति द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

भीलवाड़ा विधायक खेल विकास योजना के तहत फुटबॉल टूर्नामेंट 13 को

बढ़ता राजस्थान

भीलवाड़ा,(अमित शर्मा)। भीलवाड़ा विधायक खेल विकास योजना के अंतर्गत खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक और सराहनीय पहल की जा रही है। योजना के तहत 13 जनवरी को दोपहर 1बजे से सायं 6 बजे तक गर्ल्स कॉलेज ग्राउंड में एक दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया जाएगा। इससे पूर्व प्रताप नगर स्कूल मैदान पर आयोजित हॉकी प्रतियोगिता में बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया था और खेल के अनेक गुर सीखे थे। उसी क्रम को आगे बढ़ाते हुए अब फुटबॉल प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। यह जानकारी देते हुए अजित जैन ने बताया की प्रतियोगिता में विधायक खेल विकास योजना के 6 केंद्रों की टीमें भाग लेंगी। प्रतियोगिता की विशेषता यह रहेगी कि इसमें वे बच्चे भी हिस्सा ले सकेंगे जिन्हें फुटबॉल खेलने का पूर्व अनुभव नहीं है, जिससे अधिक से अधिक बच्चों को खेल से जुडने और सीखने का अवसर मिल सकेगा। टूर्नामेंट में विजेता एवं उपविजेता टीमों को ट्रॉफी व मेडल प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। प्रतियोगिता में प्रवेश पूर्णतः निःशुल्क रहेगा। विधायक खेल विकास योजना से जुड़े सभी कोचों से आग्रह किया कि वे 13 जनवरी को दोपहर 1 बजे तक अपनी-अपनी टीमों के साथ गर्ल्स कॉलेज ग्राउंड पर उपस्थित रहें। योजना से जुड़े सभी बच्चों की प्रतियोगिता में भागीदारी अनिवार्य रखी गई है।

विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के संयुक्त तत्वावधान में स्नेह मिलन समारोह का कपासन में हुआ भव्य आयोजन

बढ़ता राजस्थान

कपासन (सुनील कुमार डभाड़ीया)। नगर में विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार सांयकाल रामद्वारा परिसर में स्नेह मिलन समारोह का आयोजन किया गया।जिसमें प्रस्तावित गौ सम्मान आह्वान अभियान से जुडने का आग्रह किया गया। बजरंग दल जिला सहसंयोजक रोहित सिंह राजपूत ने बताया कि उक्त समारोह का विहिप प्रखंड मंत्री गोपाल कृष्ण काबरा द्वारा आचार्य पद्धति से किया तथा विहिप प्रखंड अध्यक्ष मुकेश जागेटिया द्वारा काव्य गीत जगाया तुमको कितनी बार का गायन किया गया।विहिप जिलाध्यक्ष किशन द्वारा स्वागत उद्बोधन दिया गया।समारोह को संबोधित करते हुवे विहिप प्रांत सहमंत्री युधिष्ठिर हाड़ा ने विहिप संगठन की स्थापना के दौरान लिये गये लक्ष्य श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन,धर्मांतरण विरोधी अभियान, मंदिर संरक्षण व निर्माण, गौरक्षा, संत,महंतों की सेवा,सुरक्षा आदि लक्ष्य की सफलता की ओर ध्यान इंगित किया गया।कार्यक्रम में अनुजदास महाराज मूंगाना ने हिंदू समाज की माला के मोती से तुलना कर सभी से एक सूत्र में बंधे रहने का आह्वान तथा आगामी अप्रैल माह में प्रस्तावित गौ सम्मान आव्हान अभियान से अधिकाधिक जुडने का आग्रह किया गया।समारोह में कवि शिव राजस्थानी द्वारा स्वरचित कविता को वीर रस में प्रस्तुत किया गया। इस समारोह के अंत में विश्व हिंदू परिषद के जिला उपाध्यक्ष दिलीप बारेगामा द्वारा आगंतुक अतिथियों एवं कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुवे मासिक बैठक आयोजित करने का सुझाव दिया गया।इस अवसर पर विहिप प्रांत प्रचार-प्रसार सहप्रमुख अनिल चतुर्वेदी,जिला मंत्री चंद्रशेखर सोनी,सहमंत्री जानकीलाल लक्ष्लकार,बजरंग दल विभाग संयोजक योगेश दशोरा,जिला संयोजक मनोज साहू,प्रखंड सहमंत्री राधाकृष्ण शर्मा,संरक्षक लाला चाष्टा, भवानीशंकर जीनगर,नगर सहमंत्री सुरेश जीनगर, बादशाह सिंह,राधेश्याम वैष्णव,श्यामलाल पंवार,रमेश सोमानी,गोपाल सुथार,श्रीरामद्वारा ट्रस्ट अध्यक्ष दामोदर सोमानी,राकेश सोमानी,रतन सिंह आदि गणमान्यजन उपस्थित रहे।

मुख्य गेट पर तैनात कर्मियों की पहल से यात्रियों को राहत, ई-रिक्शा व अवैध पार्किंग पर लगेगा लगाम

अव्यवस्था से अनुशासन की ओर ब्यावर बस स्टैंड पर यातायात सुधार की सार्थक शुरुआत

बढ़ता राजस्थान

ब्यावर(अनिल सिखवाल)। शहर के सबसे व्यस्त सार्वजनिक स्थलों में शामिल ब्यावर बस स्टैंड पर लंबे समय से चली आ रही यातायात अव्यवस्था को सुधारने की दिशा में एक संवेदनशील और व्यावहारिक पहल की गई है। यात्रियों की सुरक्षा, सुविधा और समयबद्ध आवागमन को प्राथमिकता देते हुए ब्यावर डिपो की मुख्य प्रबंधक शिप्रा शानिवाल एवं प्रबंधक (यातायात) लोकेंद्र जागिड़ के निर्देशन में बस स्टैंड परिसर की यातायात व्यवस्था को सुव्यवस्थित करने के लिए ठोस कदम उठाए गए हैं इसी क्रम में आगार के चालक दिनेश कुमार एवं ब्रजसिंह राणावत को बस स्टैंड के मुख्य गेट पर विशेष रूप से तैनात किया गया है। इनकी जिम्मेदारी मुख्य गेट के बाहर अनियंत्रित रूप से खड़े ई-रिक्शाओं तथा नो पार्किंग ज़ोन में खड़े दुपहिया और चौपहिया वाहनों को व्यवस्थित करना है, ताकि बसों के आवागमन में बाधा न आए और यात्रियों को प्रवेश व निकास में असुविधा न हो। प्रशासन का मानना है कि इस व्यवस्था से न केवल बस स्टैंड परिसर में फैलने वाली अव्यवस्था पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित होगा, बल्कि दुर्घटनाओं की संभावनाएं भी कम होंगी। विशेषकर वृद्ध, महिलाएं और बच्चे, जिन्हें भीड़ और अव्यवस्थित यातायात के कारण कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था, उन्हें अब अधिक सुरक्षित और सुगम वातावरण मिलेगा स्थानीय यात्रियों और आमजन ने इस पहल का स्वागत करते हुए उम्मीद जताई है कि यदि इसी प्रकार नियमित निगरानी और सख्ती बरती गई, तो ब्यावर बस स्टैंड एक अनुशासित, सुरक्षित और यात्री-हितैषी परिवहन केंद्र के रूप में अपनी पहचान और मजबूत करेगा।

जन प्रतिनिधि का धर्म केवल घोषणाएं करना ही नहीं, जनता के साथ किए हर वायदे को समय पर पूरा करना है- जवाहर सिंह बेढम

मंत्री बेढ़म ने सीकरी को दी 50 लाख की पौधशाला की सौगात

निहाम में स्व. ओमप्रकाश भगत जी की पुण्यतिथि पर राम नाम जप में शामिल होकर मंत्री ने किया नमन

बढ़ता राजस्थान

डीग, (नि.स.)। जन-प्रतिनिधि का धर्म केवल घोषणाएं करना नहीं, बल्कि जनता से किए गए हर वचन को समय पर पूरा करना है। वचनबद्धता ही सुशासन की असली पहचान होती है। यह बात प्रदेश के गृह, गौपालन, पशुपालन, डेयरी एवं मत्स्य विभाग राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने रविवार को डीग जिले के सीकरी उपखंड के निहाम में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही।

मंत्री बेढ़म स्व. ओमप्रकाश भगत जी की प्रथम पुण्यतिथि पर आयोजित राम नाम जप एवं श्रद्धांजलि सभा में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि स्व. ओमप्रकाश भगत का जीवन सादगी, सेवा और समाज के प्रति समर्पण का प्रेरक उदाहरण रहा है। ऐसे व्यक्तित्व समाज को सकारात्मक दिशा देने का कार्य करते हैं और उनकी स्मृति में आयोजित कार्यक्रम नई पीढ़ी को संस्कारों से जोड़ते हैं।

अपने संबोधन में गृह राज्य मंत्री बेढम ने पूर्व में आयोजित रात्रि चौपाल का स्मरण करते हुए कहा कि उस दौरान बिजली और पेयजल की जो समस्याएं सामने आई थीं, उन्हें गंभीरता से लिया गया है। बिजली के डिमांड नोटिस जारी हो चुके हैं और शीघ्र ही बोरिंग के माध्यम से जलापूर्ति शुरू की जाएगी। उन्होंने कहा जो मैने कहा, वह किया है, और जो शेष है, वह भी तय समय में पूरा होगा।

इस अवसर पर गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने क्षेत्र को पर्यावरण संरक्षण की बड़ी सौगात देते हुए 50 लाख रुपये की लागत से निर्मित आधुनिक पौधशाला का लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि यह पौधशाला 'हरित सीकरी' की दिशा में एक मजबूत कदम है और आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ व सुरक्षित पर्यावरण देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने स्वयं पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। कार्यक्रम के पश्चात गृह राज्य मंत्री बेढम ने सीकरी में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक लेकर बिजली, पीडब्ल्यूडी, पीएचईडी और राजस्व विभाग के कार्यों की प्रगति की जानकारी ली तथा विकास कार्यों को गुणवत्ता और समयबद्धता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए।

मंत्री बेढ़म ने सेवल मंदिर एवं वनबिहारी जी महाराज की तपोभूमि को नमन करते हुए कहा कि संतों का आशीर्वाद और आध्यात्मिक चेतना ही जनकल्याण के कार्यों को सही दिशा प्रदान करती है। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि, साधु-संत, सामाजिक संगठन एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

नेशनल ताइक्कांडो प्रतियोगिता में लोहागढ़ के दो लिटिल टाईगर्स का चयन

नियमित अभ्यास से होती है सफलता प्राप्त

बढ़ता राजस्थान

भरतपुर (घनश्याम अवस्थी)। ताइक्कांडो फेडरेशन ऑफइंडिया के तत्वाधान एवं दिल्ली ताइक्कांडो एसोसिएशन के मार्गदर्शन में तालकटोरा इंडोर स्टेडियम आयोजित 39वीं नेशनल सब जूनियर क्योरुगी एवं 14वीं पूम्से ताइक्कांडो चौंपियनशिप 2026 के लिए जयशंकर टाईगर क्लब के दो लिटिल टाईगर्स का चयन हुआ। खिलाड़ियों के उत्साहवर्धन कार्यक्रम का आयोजन भरतपुर जिला ताइक्कांडो संघ के कार्यालय पर प्रतियोगिता में चयनित भरतपुर संभाग के प्रथम ताइक्कांडो लिटिल मास्टर द्वितीय डेन ब्लैक बेल्ट ऐश्वर्य शर्मा एवं प्रथम डेन ब्लैक बेल्ट रामया शर्मा को अग्रिम शुभकामनाएं दी एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए जयशंकर टाईगर क्लब की अध्यक्ष सेवानिवृत्ति व्याख्याता प्रतिभा शर्मा ने कहा कि खिलाड़ी के जीवन में एकाग्रता का विशेष महत्व है, विद्यार्थियों को पढ़ाई और खेल के दौरान सर्वांगीण विकास के लिए एकाग्रता रखनी चाहिए। कार्यक्रम में भरतपुर ताइक्कांडो संघ सचिव दीप्ति शर्मा ने चयनित खिलाड़ियों को अग्रिम शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की

टाईगर क्लब सचिव पीयूष जयशंकर टाईगर ने बताया कि 39वीं नेशनल क्योरुगी एवं 14वीं पूम्से ताइक्कांडो चौंपियनशिप 2026 का आयोजन ताइक्कांडो फेडरेशन ऑफ इंडिया के महासचिव एडवोकेट आर डी मंगेशकर के शुभाशीष एवं दिल्ली ताइक्कांडो एसोसिएशन के महासचिव हर्षप्रिय सिंह जी के मार्गदर्शन में तालकटोरा इंडोर स्टेडियम न्यू दिल्ली में दिनांक 13 से 15 जनवरी तक प्रस्तावित है। प्रतियोगिता में क्योरूगी एवं पूम्से के सब जूनियर वर्ग में लोहागढ़ के शेर ऐश्वर्य शर्मा एवं रामया शर्मा का पुरुष व महिला वर्ग में चयन राजस्थान ताइक्कांडो एसोसिएशन के अध्यक्ष उत्तम सैनी एवं सचिव लक्ष्मण सिंह हाडा के सानिध्य में हुआ है।

कार्यक्रम में क्लब अध्यक्ष प्रतिभा शर्मा, श्री अन्नपूर्णा रसोई के निर्देशक विष्णु दत्त शर्मा, भरतपुर ताइक्कांडो संघ अध्यक्ष पवन पाराशर, नेशनल जूडो चौंपियन पोहप सिंह जादौन, नेशनल कराते चौंपियन नेहा शर्मा, महिला प्रशिक्षक व भरतपुर ताइक्कांडो संघ सचिव दीप्ति शर्मा, क्लब सचिन इंजीनियर पीयूष जयशंकर टाईगर ने प्रतियोगिता में चयनित हुए सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी गई एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर नेशनल महाविद्यालय चौंपियन लवली माहौर, विशाल मलाह, शांतनु राजपूत, गुड़िया सेन, रौनक कोली आदि अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित थे।

श्रीमद्भागवत कथा में रुक्मणी विवाह की सजीव प्रस्तुति, कृष्ण-रुक्मणी के जयकारों से भक्तिरस में डूबा पंडाल

दिल्ली के कृष्णा नगर राम मंदिर में कथा के दौरान हुई पुष्पवर्षा, महिला श्रद्धालुओं ने किया भावपूर्ण नृत्य, संगीतमय कथा व भजनों ने बांधा समां

बढ़ता राजस्थान

भरतपुर (घनश्याम अवस्थी)। दिल्ली के कृष्णा नगर स्थित राम मंदिर में आयोजित विशाल श्रीमद्भागवत कथा समारोह में शनिवार को भक्ति, उल्लास और आस्था का अनुपम संगम देखने को मिला। कथा आचार्य पंडित बृजेश शास्त्री द्वारा भगवान श्रीकृष्ण और रुक्मणी के पावन विवाह प्रसंग का संगीतमय वाचन करते ही पूरा पंडाल श्रद्धा और भक्ति के रंग में रंग गया। जैसे ही श्रीकृष्ण-रुक्मणी विवाह की सजीव झांकी प्रस्तुत की गई, श्रद्धालु जय श्रीकृष्ण और जय रुक्मणी माता के जयकारों से गूंज उठे।

कथा के दौरान श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर अपने आराध्य के प्रति भाव प्रकट किए। विशेष रूप से महिला श्रद्धालुओं ने श्रीकृष्ण भक्ति में झूमते हुए भावविभोर नृत्य किया, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। वहीं कई महिला श्रद्धालुओं ने श्रद्धा भाव से कन्यादान की रस्म निभाई और इसे अपने जीवन का सौभाग्य बताते हुए पुण्य लाभ अर्जित किया। यह विशाल श्रीमद्भागवत कथा महोत्सव बयाना के गांव बागरैन निवासी प्रमुख रेडीमेड गारमेंट कारोबारी व निर्माता कथा परीक्षित हेमंत गोयल और सोनिया गोयल दंपती के सौजन्य से आयोजित

किया जा रहा है। आयोजन स्थल पर श्रद्धालुओं की सुविधा व व्यवस्था के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं। कथा विश्राम के दौरान प्रतिदिन विभिन्न पकवानों, फलों और गाजर के हलवे सहित प्रसाद का वितरण किया जा रहा है, जिसे श्रद्धालु श्रद्धा भाव से ग्रहण कर रहे हैं। कथा प्रवचन करते हुए पंडित बृजेश शास्त्री ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण और रुक्मणी का विवाह केवल एक पौराणिक प्रसंग नहीं, बल्कि विश्वास, प्रेम, समर्पण और सद्भाव से परिपूर्ण आदर्श दांपत्य जीवन का संदेश देता है। यह कथा समाज को यह सीख देती है कि पारिवारिक जीवन में जिम्मेदारी, अनुशासन और परस्पर सम्मान कितना आवश्यक है। कार्यक्रम में प्रमुख समाजसेवी व कारोबारी गोपाल गोयल, गौरव गोयल, जितेंद्र गोयल, रमेश गोयल, ब्रजेश गोयल, राजेश गोयल, सुनील गोयल सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे। कथा परीक्षित हेमंत गोयल और सोनिया गोयल ने बताया कि श्रीमद्भागवत कथा समारोह का विसर्जन सोमवार को विधिवत हवन-यज्ञ, महाप्रसादी और विशाल भंडारे के आयोजन के साथ किया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है।

लाल बहादुर शास्त्री ने किसानों को आगे बढ़ाने और देश की सुरक्षा को मजबूती के लिए कार्य किये - डॉ. दयाचंद पचौरी

स्व. लाल बहादुर शास्त्री जी की पुण्यतिथि श्रद्धासुमन अर्पित कर दी श्रृंद्धाजलि

बढ़ता राजस्थान

भरतपुर (घनश्याम अवस्थी)। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री स्व. लाल बहादुर शास्त्री जी की पुण्यतिथि शास्त्री पार्क अनाह गेट भरतपुर में डॉ. दयाचंद पचौरी अध्यक्ष शहर कांग्रेस भरतपुर की अध्यक्षता में पुष्पाहार पहनाकर श्रद्धासुमन अर्पित कर श्रृंद्धाजलि अर्पित की गई। शहर अध्यक्ष डॉ. दयाचंद पचौरी ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुरशास्त्री सादा जीवन उच्च विचार के आदर्शवादी थे। उन्होंने देश के किसानों को आगे बढाने और देश की सुरक्षा को मजबूती के लिए कार्य किये। इस अवसर पर वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष चुन्नी कप्तान ने कहा कि शास्त्री जी ने देश को जय जवान जय किसान का नारा दिया तथा वे देश में हरित क्रान्ति के जन्मदाता के रूप में भी जाने जाते हैं। इस मौके पर महिला कांग्रेस अध्यक्ष बवीता शर्मा, सेवादल के अध्यक्ष डॉ. निरंजन जघीना, संगठन महासचिव योगेश सिंघल, रमेश पाठक, रामेश्वर सेनी, पूर्व नेता प्रतिपक्ष इन्द्रजीत भारद्वाज, वरि0 उपाध्यक्ष, अवधेश कुमार शर्मा, इं. जीवनलाल शर्मा, दिनेश सोगरवाल, मनोज शर्मा, गंगाराम पाराशर, व्यापार प्रकोष्ठ के अध्यक्ष आशीष राजपूत, अभिषेक जैन एडवोकेट, सुरेश पदयात्री, चन्द्रकांत शर्मा, अशोक लवानियां, विजेन्द्र चीमा, ओमप्रकाश ठाकुर, एडवोकट महेन्द्र सिंह कोली, अमित गोरावर, उपेन्द्र चन्देला, लक्ष्मीनारायन सेन, वीरेन्द्र नागर, रमेश सतीजा, रामगोपाल शर्मा, ओमप्रकाश प्रजापत, सत्यपाल, हेमन्त गादौली,देवेश शर्मा आदि मौजूद थे।

सदर पुलिस ने बरामद किये चोरी और गुम हुए एक दर्जन मोबाइल

सीओ की मौजूदगी में उनके मालिकों के किया सुपुर्द, एक कन्स्टेबिल की भूमिका से लौटी खुशी

बढ़ता राजस्थान

बाड़ी (राजू शर्मा)। शहर के सदर थाना पुलिस के एक कांस्टेबल की अथक मेहनत और ष्ट्टह्व्ब्ब पोर्टल के माध्यम से 12 लोगों के चेहरों पर फिर से खुशी लौट आई। मामला मोबाइल चोरी और मोबाइल खोने के मामलों का है। जिसमें एक कोस्टेबिल कि मेहनत से 12 मोबाइल सदर पुलिस ने बरामद किए। सीओ महेंद्र कुमार की मौजूदगी में यह बरामद मोबाइल उनके मालिकों को सौंपे गए। इस दौरान सीओ महेंद्र कुमार ने मामले में अहम भूमिका निभाने वाले कांस्टेबल राहुल कुमार (बेल्ट नंबर 476) का सम्मान किया। सदर थाना अधिकारी मोहर सिंह ने बताया कि जिला पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान के निर्देश पर मोबाइल चोरी एवं गुमशुदगी के मामलों में कार्रवाई को लेकर कांस्टेबल राहुल कुमार द्वारा लगातार प्रयास किया जा रहे थे। खोए हुए और गुम हुए मोबाइलों को लेकर ष्ट्टह्व्ब्ब पोर्टल के माध्यम से ट्रेस कर बरामद किया है। यह बरामद मोबाइल आज सीओ महेंद्र कुमार की मौजूदगी में उनके मालिकों को वापस दिए गए है। वहीं देर शाम पत्रकार प्रमोद मुदगल के मोबाइल खोने के बाद मिली सूचना के साथ ही बाड़ी कोतवाली पुलिस एक्टिव हो गई और मोबाईल लोकेशन के आधार पर देर रात्रि तक मोबाईल को तलाश किया, उसके बाद तलाश सुबह फिर शुरू की गई तो पुलिस के दबाव और मेहनत के चलते लगभग 12 बजे पत्रकार को मोबाइल सुपुर्द कर दिया गया, पुलिस की तत्काल सक्रियता के चलते मिले मोबाइल को लेकर बाड़ी पत्रकार संघ ने पुलिस को धन्यवाद दिया।

कोहरे में वाहनों पर रिफ्लेक्टर टेप जरूरी राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह का आयोजन

बढ़ता राजस्थान

बाड़ी (राजू शर्मा)। जिला परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग द्वारा मनाई जा रहे राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत बसेड़ी राजमार्ग पर परिवहन विभाग की ओर से वाहनों पर रिफ्लेक्टर टेप लगाने का अभियान चलाया गया तथा वाहन चालकों के बीच सड़क सुरक्षा अभियान के अंतर्गत समझाइश की गई। परिवहन निरीक्षक श्रीकांत कुमावत ने वाहन चालकों को बताया कि कोहरे के समय विजिबिलिटी काम हो जाती है ऐसे समय में यदि वहां के पीछे रिफ्लेक्टर लगा होता है तो दुर्घटना की संभावना है काम हो जाती है। उन्होंने कहा कि विशेष कर सर्दियों के समय में अपने वाहनों के रिफ्लेक्टरों को दुरुस्त रखें। अधिकांश दुर्घटनाएं सर्दी की यह समय में विजिबिलिटी कम होने के कारण हो जाती है। सर्दी के समय में कोहरे के समय वाहनों की गति नियंत्रित रखें क्षमता से अधिक वहां में सवारियों को ना बैठा लें।

वही बरैठा चेक पोस्ट पर चलाए गए अभियान में परिवहन निरीक्षक ओम चौधरी ने वाहनों के पीछे रिफ्लेक्टर टेप लगाएं और वाहन चालकों को कोई यातायात नियमों की पालना को लेकर शपथ ग्रहण कराई। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग पर क्षमता से अधिक वाहनों होने के कारण पूरा हाईवे रात दिन भर कर चलता है। ऐसे में संयम के साथ नियंत्रित गति में अपनी यात्रा करें। उन्होंने कहा कि जहां तक संभव हो रात्रि में यात्रा को टालें। विभाग द्वारा मनाई जा रहे राष्ट्रीय सुरक्षा माह के अंतर्गत जिले के सभी कस्बों में निरंतर अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जन सहयोग से ही अभियान सफल होगा।

विराट हिन्दू सम्मेलन की तैयारी को लेकर हुई चर्चा, घर-घर दिया जायेगा आमंत्रण

08 फरवरी को होगा परशुराम धर्मशाला में आयोजन

बढ़ता राजस्थान

बाड़ी (राजू शर्मा)। शहर की परशुराम धर्मशाला में विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) के वरिष्ठ पदाधिकारी अनुराग शर्मा की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। यह बैठक 8 फरवरी को होने वाले हिन्दू सम्मेलन की तैयारियों पर चर्चा के लिए बुलाई गई थी। अनुराग शर्मा धौलपुर से आए थे। बैठक में 8 फरवरी को आयोजित होने वाले सम्मेलन की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा हुई। इसमें हिन्दू समाज में पंच परिवर्तन (पर्यावरण संरक्षण, कुटुम्ब प्रबोधन), वीर-माता (चार संतानों वाली माता), विवाह में नवाचार (दहेज रहित विवाह), स्वदेशी वस्तुओं का उपयोग, तथा साहित्य, कला एवं समाज सुधार जैसे क्षेत्रों में प्रशंसनीय कार्य करने वाले परिवारों और व्यक्तियों को आमंत्रित कर सम्मानित करने पर सहमति बनी। विशेष रूप से %वीर माता% को सम्मानित करने पर जोर दिया गया। इसके अतिरिक्त,

साहित्यकारों और कलाकारों द्वारा कार्यक्रम प्रस्तुत करने की योजना पर भी विचार-विमर्श किया गया।

सम्मेलन के लिए शहर की विभिन्न बस्तियों में घर-घर जाकर संपर्क किया जाएगा। टीम के सदस्य आमंत्रण पत्र के साथ पीले चावल देकर लोगों को निमंत्रण देंगे। इसके लिए बैनर, परिचय पत्र और आमंत्रण पत्र तैयार किए जाएंगे। महिला टोलियां, युवा और बाल-बालिकाओं की टोलियां बनाकर सभी हिन्दू परिवारों, वर्गों और मोहल्लों के पुरुष एवं महिला सहयोगियों को अधिक से अधिक संख्या में जोड़ने की रणनीति बनाई गई। इस बैठक में कार्यकारिणी के अध्यक्ष शिवकुमार खेमरिया, संरक्षक सुरेंद्र सिंह परमार, पदाधिकारी अंजनी पाराशर, बीरेंद्र सिंह परमार, मयूर जैमिनी, डॉ. परमेश पाठक, पुष्पेंद्र बिधोलिया, भगवती प्रसाद शर्मा, राजवीर कटारा, जगदीश जगरिया, मनोज शर्मा, संतोष बाल्मीकि, विजय दीक्षित और पप्पू पुजारी सहित कई सदस्य उपस्थित रहे।

कोतवाली पुलिस ने पकड़ा दस हजार रूपये का इनामी बदमाश

डीएसटी टीम के सहयोग से फिरोजाबाद से हुई गिरफ़्तारी, सैपऊ रोड पर हुई थी वारदात

बढ़ता राजस्थान

बाड़ी (राजू शर्मा)। शहर की कोतवाली थाना पुलिस ने डीएसटी टीम के सहयोग से एक वर्ष से फरार चल रहे हमले और फायरिंग के मामले में एक दस हजार रुपये के इनामी बदमाश को गिरफ्तार किया है। गिरफ्त में आया बदमाश यूपी के फिरोजाबाद के कुशवाहा नगर से पकड़ा गया है। जो हमले के बाद से फरार हल रहा था। ऐसे में गिरफ्त में आए बदमाश से अब कोतवाली पुलिस मामले को लेकर पूछताछ कर रही है।

कोतवाली थाना अधिकारी देवेंद्र शर्मा ने बताया कि जिला पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान के निर्देश पर वांछित अपराधियों के खिलाफ धरपकड़ अभियान चलाया हुआ है। उक्त अभियान के तहत मुखबिर तंत्र को भी सक्रिय किया गया है। ऐसे में जरिए मुखबिर सूचना मिली की बाड़ी थाने पर दर्ज एफआईआर संख्या 09/2025 का फरार वांटेड और इनामी बदमाश फिरोजाबाद के कुशवाहा नगर में छिपा हुआ है। उक्त सूचना के पुख्ता होने पर डीएसटी टीम के एएसआई प्रेमसिंह और कांस्टेबल भागीरथ सिंह के साथ थाने के जांच अधिकारी हरवीर सिंह के नेतृत्व में दो विशेष दो टीमों का गठन कर फिरोजाबाद पहुंच आरोपी बदमाश बादल गोस्वामी पुत्र केशव गिरी निवासी मोहल्ला गुमट को फिरोजाबाद के सतकार टॉकीज के पास से गिरफ्तार किया है। गिरफ्त में आये बदमाश पर एसपी धौलपुर द्वारा दस हजार का इनाम घोषित था। उक्त मामले में पूर्व में दो आरोपियों की गिरफ्तारी की जा चुकी है। आरोपी बदमाश बादल गोस्वामी से अब पुलिस मामले को लेकर धारा 189(2),125 और 109(1) बीएनएस में पूछताछ कर रही है।

सदर पुलिस ने शहर के रिंग रोड के पास खेत में जुआ खेलते पकड़े जुआरी

छह जुआरियो से दस हजार से अधिक की नगदी बरामद,जुआ एक्ट में कार्यवाही

बढ़ता राजस्थान

बाड़ी (राजू शर्मा)। उपखंड की सदर थाना पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए सर्किल रोड निधारा गांव के पास से खेत में जुआ खेल रहे आधा दर्जन जुआरियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्त में आये जुआरियों से पुलिस ने दस हजार से अधिक रुपए की जुआ राशि बरामद की है। सभी जुआरियों के खिलाफ 13 आरपीजीओ जुआ एक्ट में कार्रवाई की जा रही है।

सदर थाना अधिकारी मोहर सिंह ने बताया कि जिला पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान के निर्देश पर जुआ,सट्टा और अवैध गतिविधियों को लेकर लगातार कार्रवाई की जा रही है। जिसके तहत मुखबिर तंत्र को भी सक्रिय किया गया है।जरिये मुखबिर शनिवार की शाम सूचना मिली सर्किल रोड निधारा गांव के पास एक खेत में जुआ हो रहा है। उक्त सूचना के पुख्ता होने पर थाने के हेड कांस्टेबल हल्केराम, कांस्टेबल हेमसिंह,राहुल कुमार,सुमन प्रकाश,राहुल सिंह और देवेंद्र सिंह के नेतृत्व में कार्रवाई की गई। पुलिस की इस कार्रवाई में चारों तरफ से घेरा देकर छह जुआरियों को गिरफ्तार किया है। जिनमें तौसीफ पुत्र शहीद खां निवासी संत्रास पाड़ा,कासिम पुत्र लियाजुद्दीन निवासी संत्रास पाडा,पारस पुत्र मुरारी लाल गुर्जर निवासी गुर्जर पाड़ा,संजय पुत्र लियाकत मनिहार निवासी हवेली पाड़ा, सोनू पुत्र कन्ना मुसलमान निवासी तुलसीवन रोड और आमिर पुत्र महमूद खां निवासी संतरास पाड़ा शामिल है। जुआरियों से दस हजार 100 रुपए की जुआ राशि बरामद की है साथ में जुआ के अन्य सामान को जप्त किया है। सभी जुआरियों के खिलाफ 13 आरपीजीओ जुआ एक्ट में कार्रवाई की जा रही है।

नववर्ष-लोहड़ी व मकर संक्रान्ति के पर्व पर कड़ी कचोरी के प्रसाद का किया वितरण

बढ़ता राजस्थान

अलवर (का.स.)। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्री श्याम नवयुवक मंडल विवेकानन्द चौक अलवर के तत्वाधान में रविवार को नववर्षए लोहड़ी व मकर संक्रान्ति के पावन अवसर पर कड़ी कचोरी के प्रसाद का वितरण किया गया। मंडल के प्रवक्ता जितेंद्र सेतिया ने बताया कि बाबा श्याम की कृपा,आशीर्वाद और मंडल के सभी सदस्यों के सहयोग से श्री श्याम नवयुवक मंडल के तत्वधान में रविवार को लोहड़ी व मकर संक्रान्ति के पावन पर्व पर अशोका टाकीज विवेकानंद चौक पर मंडल के सभी सदस्यों द्वारा बाबा श्याम की आरती की गई उपरांत भोग लगाकर सुबह 10 बजे से कड़ी कचोरी के प्रसाद का वितरण किया गया। कार्यक्रम में सभी सदस्यो का भरपूर सहयोग प्राप्त हुआ । काफी संख्या में लोगो ने प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर मण्डल के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

स्वामी विवेकानंद जी के समक्ष सम्पन्न हुआ दीपयज्ञ

बढ़ता राजस्थान

अलवर (का.स.)। अखिल विश्व गायत्री परिवार की शाखा अलवर के युवा प्रकोष्ठ के माध्यम से स्वामी विवेकानंद जी की जयंती का दिनांक 11 जनवरी 2026 से दो दिवसीय कार्यक्रम प्रारंभ हुआ।जिसमें सुबह विवेकानंद चौक स्थित स्वामी जी की प्रतिमा स्थल की युवा मंडल के सदस्यों के द्वारा साफ सफाई की गई । इसके पश्चात रविवार शाम 4.00 बजे गायत्री परिवार के महिला मंडल एवं प्रज्ञा मंडल तथा युवा मंडल के माध्यम से भव्य दीप यज्ञ कर स्वामी जी के समक्ष दीपक 164 प्रज्वलित किए गए । आयोजन में उपजोन अलवर समन्वयक दिनेश गुप्ता जी सहायक प्रबंधक ट्रस्टी मुरारी लाल शर्मा एवं महेश चंद्र शर्मा तथा वरिष्ठ कार्यकर्ता जगदीश प्रसाद गुप्ता एवं ज्ञानेंद्र प्रकाश शर्मा ,भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा के संयोजक राधा रमन विजय एवं युवा मंडल के जिला संयोजकजितेंद्र यादव सहित अनेक लोग ने दीपयज्ञ में भाग लिया । कार्यक्रम में नौजवानों उठो वक्त यह कह रहा खुद को बदलो जमाना बदल जाएगा तथा मनुज देवता बने बने यह धरती स्वर्ग समान आदि प्रेरणास्पद गीत सुनाए गए। मुख्य वक्ता के रूप मेंजगदीश प्रसाद गुप्ता ने स्वामी विवेकानंद की जीवनी पर प्रकाश डाला एवं संस्कारशाला प्रकोष्ठ की ममता गुप्ता ने स्वामी जी के जीवन से संबंधित कई मार्मिक एवं प्रेरणास्पद बातें बताई।

कोटपूतली बहरोड़ जिले के 92 विशेष योग्यजनों ने उठाया लाभ-यादव

बढ़ता राजस्थान

बानसूर(धीरज मौर्य)। राजस्थान प्रदेश के जिला अलवर मुख्यालय पर कार्यरत अशोका फाउंडेशन अलवर द्वारा विशेष योग्यजनों के लिए शिविर लगाया गया। शिविर में कोटपूतली बहरोड़ जिला क्षेत्र के 92विशेष योग्यजनों ने लाभ उठाया।सक्षम के कोटपूतली बहरोड़ जिलाध्यक्ष रामनिवास यादव ने बताया कि यह शिविर जैन वाटिका अलवर में लगाया गया था। जिसमें दिव्यांगो एवं जरुरतमंद विशेष योग्यजनों ने कृत्रिम उपांग प्राप्त किए।कोटपूतली बहरोड़ जिले के समस्त विशेष योग्यजनों को लाने व ले जाने की व्यवस्था शाहपुर ग्राम पंचायत के पूर्व सरपंच प्रतिनिधि भामाशाह व समाजसेवी संदीप यादव ने की।इस मौके पर उपस्थित विशेष योग्यजनों,अशोका फाउंडेशन व सक्षम के कोटपूतली बहरोड़ जिलाध्यक्ष रामनिवास यादव ने संदीप यादव का आभार जताया।वहीं जिलाध्यक्ष रामनिवास यादव ने अशोका फाउंडेशन व संदीप यादव का आभार जताते हुए कहा कि भामाशाहों द्वारा ही देश की सेवा की गईं है। हमारा संगठन अशोका फाउंडेशन अलवर व भामाशाह व समाजसेवी पूर्व सरपंच प्रतिनिधि का आभार व्यक्त करता है।

पाँच-लोगों के अतिक्रमण की वज़ह से हजारों लोग परेशान-दायमा

बढ़ता राजस्थान

बानसूर(धीरज मौर्य)। विधानसभा क्षेत्र नारायणपुर उपखण्ड क्षेत्र के गाँव गढ़ी,बासभूरिया,लादूवास और मालेरा गाँव के लिए निर्मित होने वाली सडक़ निर्माण के बाधित होने से हजारों ग्रामीण परेशान हैं।वहीं ग्रामीणों ने युवा कांग्रेस नेता राकेश दायमा के नेतृत्व में आंदोलन,धरना प्रदर्शन की प्रशासन को चेतावनी दी। दायमा ने कहा कि पाँच-दस लोगों की वज़ह से अनेक गाँवों के हजारों ग्रामीण परेशानी का सामना कर रहे हैं जो घोर अंधेरगर्दी है। हम सब यह बर्दास्त नहीं करेंगे!यदि उनकी आबादी क्षेत्र की जमीन है या वैसी है यदि उन्हें मुआवजा देकर भी हजारों लोगों के आवागमन के रास्ते पर सडक़ निर्माण होता है तो प्रशासन को इस ओर ध्यान देना चाहिए। यदि समय रहते मानकों के आधार पर सडक़ निर्माण नहीं हुआ तो ग्रामीण मजबूर होकर धरना प्रदर्शन करेंगे जिसकी समस्त जिम्मेदारी स्थानीय प्रशासन और राज्य सरकार की होगी।

कोटपूतली में सत्संग एवं रहानी कार्यक्रम श्रद्धा व भक्ति के साथ संपन्न

बढ़ता राजस्थान

कोटपूतली(बिल्लूराम सैनी)। स्थानीय सतगुरु धाम में पूज्य महाराज बिरेंद्र सिंह जी (डेरा जगमालवाली सिरसा) के पावन सानिध्य में आयोजित सत्संग एवं रहानी कार्यक्रम रविवार को श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर भारी संख्या में संगत ने शिरकत कर गुरु महिमा का गुणगान किया। कार्यक्रम के दौरान सतगुरु महाराज ने अपने प्रवचनों के माध्यम से श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक मार्ग पर चलने और मानवता की सेवा करने का संदेश दिया।

गरीब, मजदूर व किसान के हक की लड़ाई में कांग्रेस मजबूती से खड़ी है - इन्द्राज गुर्जर

जिला कांग्रेस कमेटी का एक दिवसीय सांकेतिक उपवास

बढ़ता राजस्थान

कोटपूतली(बिल्लूराम सैनी)। अखिल भारतीय राष्ट्रीय कॉंग्रेस के राष्ट्रव्यापी महाविरोध प्रदर्शन मनरेगा बचाओ महासंग्राम के अन्तर्गत राजस्थान प्रदेश कॉंग्रेस कमेटी अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के निर्देशानुसार जिला कांग्रेस कमेटी कोटपूतली-बहरोड़ अध्यक्ष इंद्राज सिंह गुर्जर की अध्यक्षता में जिला मुख्यालय कोटपूतली पर रविवार को एक दिवसीय सांकेतिक उपवास रखा गया। इस मौके पर जिलाध्यक्ष इन्द्राज सिंह गुर्जर ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार द्वारा लाई जा रही तथा कथित वीबी एंड जी रैम योजना, मनरेगा को कमजोर करने और गरीबों के संवैधानिक अधिकार छीनने का प्रयास है। नाम बदलने से ना तो रोजग़ार बढ़ेगा और ना ही मजदूरों की जेब भरेगी, बल्कि इससे जवाबदेही खत्म होगी और मजदूर वर्ग को हाशिये पर धकेला जायेगा। कॉंग्रेस पार्टी मनरेगा को

कमजोर करने के किसी भी प्रयास को कभी स्वीकार नहीं करेगी। इस जन विरोधी निर्णय के खिलाफ सदन से लेकर सडक़ तक, गांव-गांव व ढ़ाणी-ढ़ाणी कांग्रेस का संघर्ष जारी रहेगा। गरीब, मजदूर व किसान के हक की इस लड़ाई में कांग्रेस मजबूती से खड़ी है। जिलाध्यक्ष ने स्थानीय मुद्दों पर भी प्रदेश की भाजपा सरकार के साथ-साथ स्थानीय शासन प्रशासन को घेरते हुये कहा कि आजादी के 77 साल में ऐसा भ्रष्ट, निकम्मा शासन नहीं देखा। जिले में चारों तरफ अराजकता का माहौल है, राज्य की भाजपा सरकार पूरी तरह से फेल हो गई है। जिलाध्यक्ष इंद्राज सिंह गुर्जर ने केंद्र की भाजपा सरकार द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी के नाम से चल रही योजना महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) को कमजोर करने, महात्मा गाँधी के नाम को दुर्भावनापूर्ण ढ़ंग से हटाने और रोजगार की गारंटी खत्म करने की साजिश को बेनकाब करते हुये कहा कि देश व प्रदेश में भाजपा की डबल ईंजन सरकार द्वारा राष्ट्रीय महापुरुषों के नाम से चल रही योजनाओं के नाम, रूप, प्रारूप, उदेश्य और उनकी सार्थकता को आरएसएस के छुपे हुये एजेंडे के तहत खत्म किया जा रहा है। नये कानून से गरीब, मजदूर, किसान, दलित, अति पिछड़े, पिछड़े, अल्पसंख्यक, बेरोजगार व महिलाओं पर पडऩे वाले दुष्प्रभावों के विषय में आमजनता को जागरूक कर डबल ईंजन की नकारा, निकम्मी, भ्रष्ट, कामचोर सरकार को पूरी तरह से बेनकाब किया। संगठन महामंत्री वी.के. नवल ने बताया कि गाँधी के प्रिय भजन ''रघुपति राघव राजा राम'' राम धुनी के बीच चले एक दिवसीय सांकेतिक उपवास में पूर्व कैबिनेट मंत्री शकुन्तला रावत, पूर्व संसदीय सचिव रामस्वरुप कसाणा, पूर्व विधायक बलजीत यादव, बहरोड़ से कांग्रेस प्रत्याशी रहे संजय यादव, डॉ. आर. सी. यादव, पीसीसी महासचिव देव कसाणा, सचिव जगदीश मीना, उपाध्यक्ष (ओबीसी) रामनिवास यादव, कांग्रेस चिकित्सा प्रकोष्ठ के प्रदेष महासचिव डॉ. अभिलाष मीणा, पीसीसी मेम्बर के जी कौषिक, कृष्ण सूद, ब्लॉक अध्यक्ष प्रकाश चंद सैनी, युवा कांग्रेस के पूर्व प्रदेश सचिव प्रदीप कसाना, युवा कांग्रेस के पूर्व विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष राकेष रावत, पावटा ब्लॉक अध्यक्ष महादेव यादव, समेत बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सिंधी समाज के भोपाल में आयोजित विश्व सिंधी सम्मेलन

सुरेश कुमार थदानी छठी बार अंतर्राष्ट्रीय सचिव बने

बढ़ता राजस्थान

अलवर (का.स.)। विश्व के सिंधी समुदाय को एक सूत्र में पिरो कर उनके संस्कृतिक, सभ्यता, भाषा, विरासत तथा विकास के सोपान तय करने के उद्देश्य से 09, 10, 11 जनवरी 2026 को विश्व सिंधी सेवा संगम के द्वारा ताज लेक फ्रट, भोपाल में आयोजित विश्व सिंधी सम्मेलन मे अलवर की विभिन्न सामाजिकए शैक्षनिकए धार्मिकए व्यापारिक संस्थाओं से जुडे सामाजिक कार्यकर्ता सुरेश कुमार थदानी को लगातार छठी बार अंतर्राष्ट्रीय सचिव बनाया गया। इस अवसर पर थदानी को संत शिरोमणि राजेश लाल साहब ऐवम गुजरात सरकार की पूर्व मंत्री डॉक्टर निर्मला वाधवानी द्वारा सम्मनित किया गया। सम्मेलन में भारत एवं विश्व के विभिन देशो

के प्रतिनिधियों सहित संस्थापक अध्यक्ष गोपाल सजनानी, अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राजू मनवानी, अंतरराष्ट्रीय कोशाध्यक्ष उषा सजनानी, महिला अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष भारती छाबरिया, राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुप थारवानी, संत शिरोमणि युथिष्ठर लाल साहब, संत शिरोमणि राजेश लाल साहब, किशोर अजवानी, पूर्व मिस इंडिया सिमरन आहूजा, महाभारत सिरियल के गुरु द्रोणाचार्य सुरेंद्र पाल सिंह, सिंधी समाज के संतो, उद्योगपतियों, कालाकारों, फिल्म जगत की हस्तियों, हास्य कलाकारों, अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कलाकारो, गायको, सामाजिक, संस्कृतिक, धार्मिक, राजनीतिक हस्तियो, प्रशास्निक अधिकारीयो, समाज सेवा से जुड़े लोगो ने भाग लिया। सांसद शंकर लालवानी, मध्य प्रदेश के खेल मंत्री विश्वास सारंग, पूर्व केंद्रीय मंत्री शहनवाज हुसैन, विधायक भगवान दास सबनानी, पूर्व मंत्री महाराष्ट्र सरकार गुरुमुख जगवाणी, पूर्व मंत्री गुजरात सरकार डॉक्टर निर्मला वाधवानी, पूर्व विधायक रायपुर श्रीचंद सुंद्रानी ने भाग लिया।

अलवर जिला बॉक्सिंग एसोसिएशन के चुनाव संपन्न, नई कार्यकारिणी निर्वाचित

बढ़ता राजस्थान

अलवर (का.स.)। अलवर जिला बॉक्सिंग एसोसिएशन के चुनाव दिनांक 11 जनवरी को जय कृष्णा क्लब, अलवर में शांतिपूर्ण एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुए। चुनाव अधिकारी प्रमोद कुमार शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि विभिन्न पदों पर पदाधिकारियों को निर्वाचित घोषित किया गया। चुनाव परिणाम के अनुसार अध्यक्ष पद पर दिनेश भार्गव, सचिव पद पर देवेंद्र सिंह रावत तथा कोषाध्यक्ष पद पर विनीत जुनेजा निर्वाचित हुए। उपाध्यक्ष पद पर साधना शर्मा, दीपक गर्ग, महावीर प्रसाद राजोरिया एवं राकेश शर्मा चुने गए। संयुक्त सचिव विशन कालरा, संजय शुक्ला, भूपेंद्र सिंह राठौड़ एवं विकास शर्मा निर्वाचित हुए।

कार्यकारी सदस्य पद पर त्रिलोक टोंगडा एवं अमिताभ शर्मा को निर्वाचित घोषित किया गया। इस अवसर पर राजस्थान मुक्केबाजी संगठन के अध्यक्ष धीरेंद्र चौधरी एवं सचिव नरेंद्र कुमार निर्माण, क्षेत्रीय खेलकूद परिषद से पर्यवेक्षक जिला खेल अधिकारी अंजना शर्मा तथा जिला ओलंपिक संघ से पर्यवेक्षक पन्ना सैनी विशेष रूप से उपस्थित रहे। चुनाव अधिकारी प्रमोद कुमार शर्मा ने नवनिर्वाचित समस्त कार्यकारिणी सदस्यों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई और सभी को सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं।

नारायण सेवा संस्थान, का मकर संक्रान्ति पर्व पर लगेगा शिविर

बढ़ता राजस्थान

अलवर (का.स.)। नारायण सेवा संस्थान, शाखा अलवर द्वारा हर वर्ष की भांति मकर संक्रांति को दान-पुण्य के महापर्व पर शिविर आयोजित किया जाएगा। नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर द्वारा-दिव्यांगजनों के निःशुल्क ऑपरेशन एवं असहाय व गरीब लोगों के निःशुल्क- हार्ट के ऑपरेशन एवं गम्भीर बिमारी का निःशुल्क इलाज एवं अंगविहीन भाई- बहन जिन्होंने अपने अंग किसी दुर्घटना में खो दिए हैं उन्हें- निःशुल्क कृत्रिम अंग प्रदान करना जैसे पुनीत कार्य में सहायतार्थ-मकर संक्रांति को दान- पुण्य के महापर्व पर भामाशाह एवं दानदाताओं द्वारा संस्थान को सहयोग हेतु दान संग्रह शिविर दिनांक 14 जनवरी बुधवार प्रातः 9 बजे से शाम 6 बजे तक अलवर में होप सर्कस पर लगाया जायेगा। शिविर में सभी भामाशाह एवं दान दाताओं का सम्मान किया जाएगा। एवं दिव्यांगजनों का नि;शुल्क ऑपरेशन एवं गरीब (हार्ट पेशेंट) का निःशुल्क हार्ट का ऑपरेशन एवं असहाय लोग जो गंभीर बीमारियों से पीडित्त अपना इलाज करवाने मे सक्षम नहीं है। उनकी मदद के लिए, एवं अंगविहीन जनों को निःशुल्क कृत्रिम अंग हेतु रजिस्ट्रेशन किए जाएंगे। रजिस्ट्रेशन के लिए प्रार्थी को दिव्यांगता का प्रमाण-पत्र एवं आधार-कार्ड दोनों की फोटो कॉपी एवं दो पासपोर्ट साइज फोटो साथ लाना अनिवार्य है।

सर्व समाज हेल्प टीम की मासिक बैठक आयोजित आगामी कार्यक्रमों को लेकर हुई चर्चा

बढ़ता राजस्थान

राजगढ़ /अलवर (राजकुमार गुप्ता)। सर्व समाज हेल्प टीम की बैठक रविवार को कार्यालय पर आयोजित हुई। जिसमें मानवता और सेवा के संकल्प को दोहराते हुए सर्व समाज हेल्प टीम समिति, राजगढ़ की मासिक बैठक का आयोजन महेन्द्र मीना की अध्यक्षता में किया गया। टीम सदस्य राकेश सुलानिया व सुनील भाकरी ने बताया कि बैठक में पिछले माह के कार्यों की समीक्षा की और भविष्य की सेवा गतिविधियों के लिए आगामी रूपरेखा तैयार की। वहीं पिछले महीने 300 बच्चों को चरण पादुका पहनाईं गई उनका विवरण प्रस्तुत

किया गया। दुसरी ओर आगामी दिनों में शिक्षा,स्वास्थ्य और असहाय लोगों की मदद के लिए नए सेवा प्रोजेक्ट्स शुरू करने पर विचार-विमर्श हुआ। स्थानीय स्तर पर व्याप्त सामाजिक समस्याओं को चिह्नित कर उनके निराकरण के लिए सामूहिक प्रयासों पर जोर दिया गया। शैतान भाकरी, प्रमोद सैनी सकट ने बताया की हमारा उद्देश्य राजनीति से ऊपर उठकर केवल सेवा भाव के साथ समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक मदद पहुँचाना है। बैठक में समिति के प्रमुख पदाधिकारी और सक्रिय कार्यकर्ता मौजूद रहे। जिन्होंने अपने-अपने सुझाव साझा किए। बैठक के दौरान टीम कार्यवाहक अध्यक्ष महेन्द्र मीना,उपाध्यक्ष शैतान भांकरी,कोषाध्यक्ष प्रमोद सैनी सकट,सह संयोजक सुनिल भांकरी,राकेश सुलानिया सुरेर, हरिकिशन, रमेश गुरुजी,राजेश कोठी नारायणपुर प्रकाश सैनी सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे। मिडिया को खबर प्रकाश भाबला दुब्बी ने के द्वारा दी गई।

राष्ट्र गौरव पारस रत्न शिक्षक सम्मान से शिक्षक दिनेश कुमार सैनी सम्मानित

बढ़ता राजस्थान

राजगढ़ /अलवर (राजकुमार गुप्ता)। उपखंड क्षेत्र के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय बड़ला के शिक्षक दिनेश कुमार सैनी को राष्ट्र गौरव पारस रत्न शिक्षक सम्मान 2026 से उत्तरप्रदेश के बरेली जिले में सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा विभाग के निदेशक डॉ. महेंद्र देव रहे और विशिष्ट अतिथि डॉ. अरुण कुमार वन और पर्यावरण मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार रहे। 11 राज्यों से 151 लोगों का चयन राष्ट्र गौरव पारस रत्न शिक्षक सम्मान के लिए किया गया। राजस्थान से दो शिक्षकों का चयन किया गया। इनमें एक शिक्षक दिनेश कुमार सैनी का चयन अलवर जिले से किया गया।

शिक्षा के क्षेत्र में किये गए नवाचार के लिए इनका चयन किया गया। इनके द्वारा गतिविधि आधारित शिक्षण, खेल खेल में शिक्षा और मनोरंजन गतिविधि के द्वारा छोटे बच्चों को शिक्षण करवाया जाता है। जिससे बच्चें अच्छी तरह से सीखते है और रुचि लेकर अपना शिक्षण कार्य करते है। देश के 11 राज्यों के नवाचारी शिक्षकों को सम्मानित किया है। इस कार्यक्रम का आयोजन एक गूंज सेवा समिति उत्तर प्रदेश के द्वारा जगपाल सिंह चौहान स्मृति में किया गया। इस समिति के संस्थापक और अध्यक्ष प्रतिपाल सिंह बन्टी ठाकुर हैं। इनके द्वारा गरीब और जरूरतमंद लोगों की मदद की जाती हैं। कार्यक्रम में देशभर के शिक्षकों ने भाग लिया। शिक्षक दिनेश कुमार के द्वारा एसआईआर के कार्य को राजस्थान मे सबसे पहले किया गया और 2024 में राज्यपाल अवार्ड से सम्मानित किया गया है। इनके नवाचार देशभर में सोशल मीडिया के द्वारा सबसे ज्यादा देखे जाते हैं।

ब्राह्मण समाज ने किया नवनियुक्त पदाधिकारियों का भव्य स्वागत

बढ़ता राजस्थान

कोटपूतली(बिल्लूराम सैनी)। कस्बे के सराय मोहल्ला स्थित पंचमुखी हनुमान मंदिर में ब्राह्मण समाज सराय मोहल्ला इकाई द्वारा एक विशेष स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम कोटपूतली बार एसोसिएशन के नवनियुक्त अध्यक्ष बजरंग लाल शर्मा (एडवोकेट) और जयसिंह गौशाला के नवनियुक्त उपाध्यक्ष जुगल किशोर शर्मा के सम्मान में आयोजित किया गया। कार्यक्रम मे समाज के बंधुओं ने दोनों नवनियुक्त पदाधिकारियों का माल्यार्पण कर और साफा पहनाकर गर्मजोशी से स्वागत किया। समाज के वक्ताओं ने बजरंग लाल शर्मा की बार एसोसिएशन में जीत को गौरव का विषय बताया और गौशाला के विकास में जुगल किशोर शर्मा के योगदान की सराहना की।इस अवसर पर राधेश्याम शर्मा (अध्यक्ष,ब्राह्मण समाजसरायमोहल्ला) ओमप्रकाश सारस्वत (उपाध्यक्ष,सुनील शर्मा (कोषाध्यक्ष)ललित शर्मा (एडवोकेट)दिनेश कौशिक (एडवोकेट)बजरंग लाल शर्मा, सुनील शर्मा, पवन पारीक, केदार शर्मा, गोपाल शर्मा, आशुतोष सारस्वत, नीरज अवस्थी, सौरभ अवस्थी सहित समाज के अन्य प्रबुद्ध जन उपस्थित रहे।

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

2 साल
नव उत्थान - नई पहचान
बढ़ता राजस्थान - हमारा राजस्थान

श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री

उत्तिष्ठत जाग्रत प्राप्य वरान्निबोधत।

12 जनवरी, 1863 - 4 जुलाई, 1902

उठो, जागो और तब तक रुको नहीं, जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए।

राष्ट्रीय युवा दिवस

12 जनवरी, 2026

स्वामी विवेकानंद की पावन जयंती पर सादर नमन

दो साल में युवा उम्मीदों को मिले बेहतर अवसर

नियुक्ति / भर्ती

1 लाख से अधिक सरकारी नियुक्तियां
1.43 लाख नई सरकारी भर्तियां
निजी क्षेत्र में 2 लाख से अधिक नियुक्तियां

पारदर्शी भर्ती परीक्षा

एसआईटी गठित
डमी अभ्यर्थी, फर्जी डिग्री सम्बन्धी
अन्य अनियमितताओं पर रोक

स्कूटी एवं साइकिल / टैबलेट वितरण

छात्राओं को **39,586 स्कूटियाँ** एवं
10.51 लाख साइकिलें
मेधावी विद्यार्थियों को **88,724 टैबलेट**

स्टार्टअप्स को संबल

65 i-Start लॉन्चपैड नेस्ट स्थापित
658 स्टार्टअप्स को **₹22.48 करोड़** की सहायता

कौशल प्रशिक्षण

3.37 लाख युवाओं को **कौशल प्रशिक्षण**
434 रोजगार शिविरों में 1.20 लाख युवा लाभान्वित

मुख्यमंत्री युवा संबल योजना

4.13 लाख युवाओं को **₹1,155 करोड़**
1.91 लाख **युवाओं को इंटर्नशिप**

खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2025

जिलों में 17 नवीन **खेलो इण्डिया**
केन्द्रों की स्थापना

कृषि शोध एवं अध्ययन

58,397 **छात्राओं को ₹103 करोड़**
की प्रोत्साहन राशि

खिलाडियों का सम्मान

1,754 खिलाडियों को
₹39.57 करोड़ की सहायता

राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर युवाओं को सौगात

- 1 लाख सरकारी पदों पर भर्ती का कैलेंडर
- मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना - 2026
- नवीन युवा नीति - 2026
- रोजगार नीति - 2026

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान

राजस्थान संवाद